राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 24 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–299 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजराती आकर वोट मांग रहा, मैं कहां जाऊंगा; पीएम मोदी का जिक्र कर बोले अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार के अखिरी दिन बाहरी बनाम लोकल वाला कार्ड खेल दिया है। गहलोत ने खुद को राजस्थानी बताते हुए कहा कि गुजराती आकर वोट मांग रहे हैं, वह कहां जाएंगे। गहलोत ने पीएम मोदी के एक कथित बयान का जिक्र करते हुए यह बात कही और कहा कि उन्होंने भी गुजरात में ऐसी बात कहकर चुनाव को पलट दिया था। गहलोत ने 2017 गुजरात विधानसभा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी पर गुजराती कार्ड खेलकर चुनाव बदल दिया था। उन्होंने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, तब मैं प्रभारी था। पीएम मोदी जो अभिनेता भी हैं, मैं ओबीसी का हूं, मुझे नीच कह दिया। कमाल है, किसी ने नीच नहीं कहा था उन्हें। एकदम माहौल बना दिया। कहा कि एक मारवाड़ी आया हूं है यहां, भाईयों और बहनों अगर मारवाड़ी की बात मानोगे तो मैं गुजराती हूं मैं कहां, किसके पास जाऊंगा। वोट ले लिया गुजराती बनकर, हम कामयाब होने वाले थे पर नहीं हुए। गहलोत ने आगे कहा, अब वह गुजराती यहां आ रहा है। हम तो नहीं कह रहे हैं कि गुजराती आ गया है। भाईयों और बहनों गुजराती की बात मानोगे तो मैं कहा जाऊंगा। मैं भी तो कह रहा हूं राजस्थानवासियों एक गुजराती आकर घूम रहा है यहां पर, वोट मांग रहा है। मैं आपका हूं, मैं आपसे दूर नहीं हूं। मैं कहां जाऊंगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी की भविष्यवाणी पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, अब कह दिया कि मैं गारंटी देता हूं कि चौथी बार मुख्यमंत्री नहीं बनेगा। यह भविष्यवक्ता है। खुद को भविष्यवाणी कर रहा है कि अगली बार मैं ही पीएम बनूंगा, मैं ही लाल किले पर आऊंगा, मैं ही योजना बनाऊंगा। चुनाव चलते हुए आप 5 साल के राशन की घोषणा कर रहे हो। यह चुनाव आयोग को दिखता है कि क्या बोल रहे हैं वो। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने एक दिन पहले भविष्यवाणी करते हुए कहा कि गहलोत फिर कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे।

ब्रिक्स में आया पाक तो बढ़ेगी भारत की टेंशन, कैसे चीन के बाद रूस को भी साध रहा

- सऊदी अरब और इथियोपिया समेत कई देशों को इसमें शामिल करने पर सहमति बनी है। चीन लंबे समय से पाकिस्तान की एंट्री की कोशिश करता रहा है। अब पाकिस्तान को उम्मीद है कि उसे इस पर रूस का भी समर्थन मिल जाएगा

नई दिल्ली। लंबे समय से ब्रिक्स देशों का हिस्सा बनने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान ने औपचारिक तौर पर इसकी एंट्री के लिए आवेदन कर दिया है। रूसी न्यूज एजेंसी TASS ने इसकी जानकारी दी है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि उसे भी 2024 में इस अहम संगठन में एंट्री मिल जाएगी, जिसका जनवरी में विस्तार होने जा रहा है। सऊदी अरब और इथियोपिया समेत कई देशों को इसमें शामिल करने पर सहमति बनी है। चीन लंबे समय से पाकिस्तान की एंट्री की कोशिश करता रहा है। अब पाक को उम्मीद है कि उसे इस पर रूस का भी समर्थन मिल जाएगा। यही वजह है कि उसने इस बार आवेदन किया है, जब ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता 2024 में रूस को ही सौंपी गई है।

रूस की भारत के साथ दशकों से भरोसेमंद साझेदारी रही है। वहीं बदले वैश्विक हालातों में पाकिस्तान भी रूस के करीब जाना चाहता है। इसकी वजह यह है कि चीन के साथ ज्यादा नजदीकी और अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद ताल्लुक वैसे नहीं रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी खेमे से बेदखल सा हुआ पाकिस्तान अब चीन के अलावा रूस को भी साधना चाह रहा है। वहीं यूक्रेन युद्ध में घिरे रूस को तेल से लेकर हथियारों तक एक खरीददार की जरूरत है। पाकिस्तान की भी बड़ी आबादी है, जिससे वह तेल और हथियारों का बड़ा खरीददार है।

रूस में पाकिस्तान के नए राजनयिक बने मुहम्मद खालिद जमाली ने पुष्टी की है कि पाकिस्तान ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। ब्रिक्स देशों में अब तक ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ही रहे हैं। चीन के विस्तार का पक्षधर रहा है, जबकि भारत ने भी सऊदी अरब समेत 6 देशों के आने का स्वागत किया है। हालांकि पाकिस्तान को लेकर भारत दूरी ही बरतता रहा है।

इसकी वजह यह है कि चीन के अलावा पाकिस्तान भी यदि इसमें आया तो अहम प्रस्तावों पर वोटिंग में मुश्किल होगी। चीन के अलावा पाकिस्तान भी भारत का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। ऐसे में दोनों का साथ आना ठीक नहीं रहेगा।

यही नहीं भारत और चीन के बीच सीधे मुकाबले की स्थिति में रूस भी अकसर तटस्थ ही रहता है। ऐसी स्थिति में चीन, पाकिस्तान मिलकर भारत के खिलाफ गोलबंदी कर सकते हैं। ब्रिक्स में पाकिस्तान की एंट्री के आवेदन पर अब तक भारत की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान अब रूस से यह मांग भी कर रहा है कि दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स शुरू की जाएं। सस्ते तेल के लिए भी उसने रूस से गुहार लगाई थी। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में रूस और चीन के स्टैंड ने भी पाकिस्तान समेत कई इस्लामिक देशों को उनके करीब किया है।

थोड़ा लंबा होगा इंतजार, मजदूरों को बाहर निकालने में लगेंगे 12-14 घंटे

साइट पर पहुंचे वीके सिंह और सीएम धामी

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल के अंदर फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव कार्य जारी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए गुरुवार का दिन अहम है। पहले माना जा रहा था कि सुबह 8 बजे तक मजदूर बाहर आ जाएंगे पर अभी इसमें 12-14 घंटे का समय और लगेगा। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने दी। खुल्बे टनल साइट पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, बचावकर्मियों को ड्रिलिंग पूरी करने और श्रमिकों तक पहुंचने में 12 से 14 घंटे अधिक लगेंगे। इसी बीच केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और सीएम धामी साइट पर पहुंच गए हैं। खुल्बे ने कहा, हम अभी कोशिश कर रहे हैं कि 45 मीटर के आगे 6 मीटर और जाने के लिए जो पाइप वेल्डिंग करनी होती है, वे हम तैयार कर रहे हैं। रात में 45 मीटर के मुंह पर कुछ स्टील की संरचना सामने आ गई थी। उसको अंधेरे और बिना ऑक्सीजन के जगह पर काटने में हमें 6 घंटे लगे। हम उस पूरे हिस्से को साफ कर चुके हैं। सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के अभियान में शामिल बचावकर्मियों को ड्रिलिंग पूरी करने और श्रमिकों तक पहुंचने में 12 से 14 घंटे और लगेंगे। बुधवार देर रात बाधा आने के बाद 800 मिलीमीटर व्यास वाले स्टील पाइप की ड्रिलिंग को कुछ घंटों के लिए रोकना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि बाधा दूर होने के साथ ही पाइप को आगे धकेलने की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है। खुल्बे ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि मंगलवार शाम मलबे के 45 मीटर अंदर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गयी थी लेकिन उसके बाद मलबे में लोहे का सरिया मिलने से पांच-छह घंटे काम रुका रहा। उन्होंने श्रमिकों के बाहर आने की समयसीमा बताने से इनकार किया लेकिन उम्मीद जताई कि जल्द उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे मलबे के दूसरी ओर 41 श्रमिक फंस गए। इन श्रमिकों को निकालने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है।

कोबरा यूनिट के लिए नहीं मिल रहे योग्य युवा अफसर

सीआरपीएफ ने डिप्टी कमांडेंट के लिए बढ़ाई उम्र सीमा

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के लिए बड़ी खबर है। सीआरपीएफ ने अपने विशेष नक्सल विरोधी बल कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के लिए युवा अधिकारियों की भारी कमी को देखते हुए डिप्टी कमांडेंट स्तर के अधिकारियों के लिए आयु सीमा बढ़ा दी है। अधिकारियों की कमी ने देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल को डिप्टी कमांडेंट के लिए आयु सीमा बढ़ाने के फैसले को मंजूरी देने के लिए मजबूर कर दिया है। सीआरपीएफ की ओर से जारी एक संदेश में इस फैसले के पीछे का कारण बताया गया है। बयान के मुताबिक, ÷43 वर्ष से कम आयु वर्ग में योग्य डिप्टी कमांडेंट की कमी को ध्यान में रखते हुए कोबरा इकाइयों में शामिल करने के लिए आयु को 43 से बढ़ाकर 45 वर्ष करने की मंजूरी दे दी है। कोबरा यूनिट में पोस्टिंग के लिए केवल इच्छा ही

एक मानदंड नहीं होगी। डिप्टी कमांडेंट की उपयुक्तता के समय पर मूल्यांकन के लिए यूनिट स्तर पर अधिकारियों के बोर्ड के गठन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया है। कुछ अधिकारियों ने इस बात पर अफसोस जताया है कि समय पर प्रमोशन नहीं होने के कारण युवा अधिकारी कमांडर स्तर के पदों के लिए पात्र नहीं हैं। इसके कारण सीआरपीएफ को पुराने अधिकारियों को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। 2019 से पहले कोबरा यूनिट के लिए नहीं मिल रहे योग्य अफसर, सीआरपीएफ ने डिप्टी कमांडेंट के लिए बढ़ाई उम्र सीमामें शामिल होने के लिए सहायक कमांडेंट रैंक के अधिकारियों के लिए अधिकतम आयु 30 वर्ष तय की गई थी। लेकिन बाद में बल की बदलती गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए इस आयु सीमा को 40 साल से नीचे तक बढ़ा दिया गया। इसी तरह डिप्टी कमांडेंट स्तर के अधिकारियों के लिए कोबरा में शामिल होने की आयु सीमा में बढ़ाने पर विचार किया गया। पहले इसे 38 साल तय किया गया था, लेकिन अब इसे 45 तक बढ़ा दिया गया है। हाल की एक बैठक में डीजी एसएल थाओसेन ने वामपंथी उग्रवाद क्षेत्रों में सुधार के बारे में बात करते हुए कहा कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में शिविरों की स्थापना के दौरान जनसंख्या कवरेज को हमेशा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोटा में सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिन दीपदान से दिया मतदान का संदेश

कोटा। राजस्थान के कोटा में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिन बुधवार को किशोर सागर तालाब की पाल पर जिला निर्वाचन अधिकारी महावीर प्रसाद मीणा ने दीपदान कर मतदान का संदेश दिया।

शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास की महिला कार्मिकों की ओर से दीपदान का यह कार्यक्रम सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिन बुधवार शाम को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशाल रंगोली बनाकर मतदान का संदेश दिया गया। विधानसभा आम चुनाव अंतर्गत मतदाता जागरूकता के तहत प्रत्येक मतदान केन्द्र पर मतदान प्रतिशत बढ़ाए जाने के

उद्देश्य से 23 नवंबर को केंडल मार्च लोकतंत्र का उजाला स्लोगन के साथ सायं 5.30 बजे स्वीप गतिविधि का आयोजन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण, नगरपालिका, इटावा, कैथून, सुल्तानपुर, रामगंजमंडी, लाडपुरा, सुकेत सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला मुख्यालय पर आयोजित किया जाएगा।

पंजाब के कपूरथला के गुरुद्वारे में फायरिंग, निहंग सिख ने ले ली एक पुलिसवाले की जान; 3 घायल

कपूरथला। गुरुवार तड़के कपूरथला के सुल्तानपुर लोधी में निहंगों के साथ झड़प में पंजाब पुलिस के एक कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। मृतक कांस्टेबल की पहचान जसपाल सिंह के रूप में हुई है, जो सुल्तानपुर लोधी पुलिस स्टेशन में तैनात था। मुख्य गुरुद्वारा बेर साहिब के सामने स्थित गुरुद्वारा अकाल बुंगा पर नियंत्रण को लेकर दो निहंग समूह पिछले तीन दिनों से आमने-सामने थे।

गुरुवार सुबह स्थिति तब बिगड़ गई जब पुलिस ने मान सिंह के नेतृत्व वाले निहंग समूह से गुरुद्वारा खाली कराने की कोशिश की। उसके सदस्यों ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई और पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जो फिलहाल स्थानीय अस्पताल में भर्ती हैं। 27 नवंबर को प्रथम सिख गुरु गुरु नानक देव की

जयंती से पहले इलाके में तनाव व्याप्त है। मिल रही जानकारी के अनुसार, भारी हथियारों से लैस निहंगों ने गुरुद्वारे को अंदर से बंद कर दिया है। पुलिस ने पूरे इलाके की बैरिकेडिंग कर दी है और निहंग समूह से कब्जा खाली कराने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। आपको बता दें कि पहले गुरुद्वारे पर पटियाला स्थित बाबा बुड्ढा दल बलबीर सिंह का कब्जा था, लेकिन 21 नवंबर को उनके विरोधी गुट मान सिंह ने गुरुद्वारे के दो कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट कर गुरुद्वारे पर अवैध कब्जा कर लिया। पुलिस ने पहले ही 21 नवंबर को हत्या के प्रयास और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है और बुधवार को मान सिंह समूह के 10 निहंगों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों गुटों में 2020 में भी झड़प हुई थी जिसमें एक निहंग की मौत हो गई थी।

निहंग सिख योद्धाओं का एक समूह है जिसकी उत्पत्ति 1699 में गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा के निर्माण से हुई है। वे अपने नीले वस्त्र और सजी हुई पगड़ी से पहचाने जाते हैं। वे अक्सर तलवार और भाले जैसे हथियार लेकर चलते हैं। 2020 में निहंग प्रदर्शनकारियों ने पटियाला में एक पुलिस अधिकारी का हाथ काट दिया था जब वह कोविड लॉकडाउन लगाने की कोशिश कर रहा था।

गुरुवार सुबह स्थिति तब बिगड़ गई जब पुलिस ने मान सिंह के नेतृत्व वाले निहंग समूह से गुरुद्वारा खाली कराने की कोशिश की।

इस्लामिक जिहाद है हलाल कारोबार, बिहार में प्रतिबंधित करें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार-गिरिराज सिंह

बेगूसराय। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हलाल उत्पाद पर प्रतिबंध लगाने के बाद अब बिहार में भी ऐसे उत्पाद को प्रतिबंधित करने की मांग उठने लगी है। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर हलाल उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि बिहार में अनेक खाद्य पदार्थों एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों खाद्य तेल, नमकीन, ड्राई फ्रूट, मिठाइयां, कॉस्मेटिक, दवा एवं मेडिकल उपकरणों का हलाल कारोबार हो रहा है। जबकि इस प्रकार की सामग्रियों के मानक से संबंधित प्रमाणन के लिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) जैसे मानक ही वैध हैं।

उन्होंने कहा है कि हलाल कारोबार के तहत जिन चीजों का इस्लाम से कोई संबंध नहीं, उनका कारोबारी इस्लामीकरण हो रहा है। कुछ संस्थाएं हलाल सर्टिफिकेट देने की स्वयंभू हो गई हैं और कंपनियों को मोटी रकम देकर हलाल सर्टिफिकेट दे रही हैं। इस बात की आशंका निराधार नहीं है कि हलाल सर्टिफिकेशन और कारोबार के पीछे एक बड़ा षडयंत्र है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में हलाल कारोबार ना सिर्फ संविधान के खिलाफ है, बल्कि यह देशद्रोह भी है। एक आंकड़े के अनुसार पूरे विश्व में हलाल

प्रमाणन संबंधी व्यावसायिक गतिविधियों का आकार करीब दो ट्रिलियन डॉलर तक है तथा अर्थव्यवस्था के इस स्वरूप के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने की भी बात प्रकाश में आ रही है। जिसकी गहन जांच किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा है कि इस दिशा में योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक सशक्त कदम उठाते हुए हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाते हुए समूचे उत्तर प्रदेश में कार्रवाई कर इस तरह की षड्यंत्रकारी और विभाजनकारी शक्तियों पर अंकुश लगाया है। बिहार में भी इस पर रोक लगनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसी प्रकार का सख्त कदम उठाएं तथा सामाजिक रूप से विभेदकारी एवं आतंकवादी गतिविधियों में इसकी संलिप्तता की गहन जांच करते हुए सख्त कार्रवाई करें।

हलाल कारोबार के तहत जिन चीजों का इस्लाम से कोई संबंध नहीं, उनका कारोबारी इस्लामीकरण हो रहा है। कुछ संस्थाएं हलाल सर्टिफिकेट देने की स्वयंभू हो गई हैं और कंपनियों को मोटी रकम देकर हलाल सर्टिफिकेट दे रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जी-20 की चिंता

भारत की अध्यक्षता में आयोजित आखिरी जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन जितना सुखद है, उससे भी ज्यादा स्वागतयोग्य है कि इस समूह के देश इजरायल-हमास संघर्ष के जल्दी खत्म होने की उम्मीद रखते हैं। भारत की प्रेरणा से बुधवार को आयोजित वर्चुअल या आभासी शिखर सम्मेलन में दुनिया के अनेक दिग्गज नेताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोटूक कहा है कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है, गाजा में इजरायल और हमास के बीच छिड़ा संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में न बदलने पाए। वाकई जी-20 के नेताओं के लिए युद्ध रोकना प्राथमिकता होनी चाहिए। नई दिल्ली में 9-10 सितंबर को आयोजित मुख्य शिखर सम्मेलन में भी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का तनाव साफ तौर पर दिखा था। बहुत मुश्किल से एक बीच की राह निकाली गई थी, पर अब जब वर्चुअल सम्मेलन हुआ है, तब गाजा में छिड़े युद्ध की चर्चा का अहम होना कदापि नहीं चौंकाता। जी-20 के देश अगर अपने आर्थिक प्रभाव से युद्ध को रोक सकें, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। युद्ध के खिलाफ भारत की टिप्पणियों और प्रयासों के लिए भी भारतीय अध्यक्षता को याद किया जाएगा। ध्यान रहे, जी-20 की स्थापना दुनिया के विकसित और विकासशील देशों के बीच आर्थिक समन्वय बढ़ाने के मकसद से हुई थी। जब आर्थिक समन्वय बढ़ता है, तब देशों के बीच सामरिक या कूटनीतिक तनाव भी कम होता है। वैसे तो जी-20 का 18वां शिखर सम्मेलन सितंबर में ही संपन्न हो गया था, पर भारत के प्रयासों से यह विशेष आभासी सम्मेलन हुआ है। इसमें अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति को छोड़ लगभग सभी देशों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। भारत की अध्यक्षता का समय 30 नवंबर को समाप्त हो जाएगा और उसके बाद 1 दिसंबर से ब्राजील के नेता लूला डी सिल्वा के पास कमान औपचारिक रूप से चली जाएगी। यह कहने में हर्ज नहीं कि अगर रूस-यूक्रेन युद्ध न छिड़ा होता, तो भारत में जी-20 का आयोजन और शानदार होता। जिस धूमधाम से भारत में आयोजन हुआ है, उसका कोई सानी नहीं है। दुनिया में अनेक जगह प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद नई दिल्ली के घोषणापत्र को सर्वसम्मति से अपनाया गया है। बहुत महत्वाकांक्षी, समावेशी, निर्णायक और कार्रवाई-उन्मुख तरीके से वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए जी-20 के तमाम नेता प्रतिबद्ध दिखे हैं। बुधवार को जी-20 का वर्चुअल सम्मेलन अपने आप में विरल आयोजन है। इसमें भी इतने आला नेताओं का शामिल होना एक बड़ी कामयाबी है और संकेत भी कि ये नेता परस्पर सहयोग बढ़ाने के पक्ष में हैं। वास्तव में, भारत ने 150 से अधिक विश्व नेताओं की भागीदारी के साथ एक ही वर्ष में चार ऐसी बैठकें आयोजित की हैं, जो वैश्विक स्तर पर भारत की संयोजन शक्ति का प्रमाण है। भारत जी-20 देशों की चिंताओं के साथ ही ग्लोबल साउथ के देशों की समस्याओं को भी पर्याप्त महत्व दे रहा है। कई बड़े फैसले हैं, जो भारत की अध्यक्षता में लिए गए हैं। 2030 तक वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा क्षमता को तीन गुना करने और 2030 तक ऊर्जा दक्षता सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करने पर भी सहमति बनी है। भारत की अध्यक्षता के समय ही अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल किया गया, इसे भी प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को याद किया है। भारत ने समन्वय व सार्थक प्रयासों को आगे बढ़ाया है और आगे यही काम ब्राजील को करना है।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

बदलते हालात में युवाओं का कनाडा से मोहभंग

अमरजीत भुल्लर

पिछले करीब पांच दशकों से यही माना जाता था कि जो कोई भी कनाडा जाकर बसा, उसका अनुभव आमतौर बढ़िया रहा। अपना भविष्य संवारने को विदेश जाकर बसने को कनाडा एक तरजीही गंतव्य था। लेकिन अब वहां के हालात बहुत कठिन हैं। प्रवासी या तो अन्य देशों का रुख करने लगे हैं या फिर वतन लौटना पड़ रहा है। 'द लिकी बकेट : स्टडी ऑफ इमीग्रेंट रिटेन्शन ट्रेंड्स इन कनाडा' शीर्षक से हालिया अध्ययन बताता है कि अस्सी के दशक से कनाडा छोड़ अन्य देशों में बसने वाले आप्रवासियों की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गई। यह संख्या वर्ष 2017 और 2019 के बीच सर्वाधिक रही। कोविड महामारी के बाद इनकी गिनती ज्यादा रहनी स्वाभाविक थी क्योंकि कनाडा की आर्थिकी में ह्रास हुआ है। आप्रवासियों का कनाडा से पलायन या फिर मूल-राष्ट्र वापसी की दर बढ़ने से आयु वर्गों के बीच अनुपात संतुलन पर नकारात्मक असर पड़ना लाजिमी है। वर्ष 2010 में कुल जनसंख्या में 65 साल या उससे बड़े लोगों की संख्या 14.1 प्रतिशत थी, जो कि 2022 में बढ़कर 19 फीसदी हो गई। यदि आगंतुक आप्रवासियों के प्रवाह पर ऐसे ही अंकुश रहा तो यह अनुपात अंतर और चौड़ा होगा। इससे सरकार के कर-संग्रहण एवं व्यय खाते पर बहुत फर्क पड़ता है क्योंकि करदाताओं की संख्या कम हो रही है और पेंशनभोगियों या फिर गुज़र-बसर के लिए मदद के पात्रों की गिनती बढ़ रही है। बुजुर्ग वर्ग के बढ़ते अनुपात से स्वास्थ्य सेवा ढांचे पर और बोझ पड़ेगा। इस स्थिति ने सरकार और नीति-निर्धारकों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। नीति-निर्धारक कनाडा में युवा कार्यबल बढ़ाने को विभिन्न आप्रवास नीतियों के जरिये युवाओं को बुलाने पर निर्भर हैं। इस नीति के तहत जो अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी पढ़ाई पूरी कर ले और शिक्षा उपरांत कार्यानुभव की न्यूनतम अविध की शर्त भी पूरी करता हो, उसे स्थाई-निवास अनुमति (पीआर) पाने की पेशकश होती है। वर्ष 2024 में 4,85,000 और 2025 में 5,00,000 पीआर परमिट देना तय किया गया है। कनाडा के नए आप्रवासियों का समूह उच्च कौशल कर्मी, अस्थाई विदेशी कामगार और अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों से मिलकर बना है। प्रत्येक श्रेणी को अलग किस्म की मुश्किलें दरपेश हैं। जो उच्च-कौशल कर्मी बड़े उत्साह से कनाडा में भविष्य बनाने पहुंचे थे, यहां आने के बाद उन्हें भी मुश्किलें हो रही हैं। नियमानुसार जरूरी कौशल और अनुभव होने के बावजूद उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षित काम मिलना मुश्किल है। वे कम मेहनताना कबूल कर रहे हैं। अधिकांश कनाडाई नियोक्ता नए आप्रवासियों की अपने मूल देश में पाई शिक्षा और कार्यानुभव को मान्यता नहीं देते। कुछ नौकरी प्रदाताओं की तरजीह उत्तरी अमेरिका से पढ़कर आने वालों को रखने पर है। यहां कार्य-लाइसेंस प्रक्रिया जटिल व महंगी है और पूरी होने में काफी वक्त भी लगता है। कनाडा सरकार द्वारा नियमों मे ढील देकर, दाखिले के तुरंत बाद शिक्षा-परिसर से बाहर अस्थाई काम करने की अनुमति देने के बाद अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की आमद से कनाडाई अर्थव्यवस्था बहुत लाभान्वित होती है। वर्ष 2022 में शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा-परमिट पाए विद्यार्थियों की संख्या 8 लाख से अधिक थी। उस साल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के आने से कनाडाई अर्थव्यवस्था में करीब 22 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ, और 2 लाख से अधिक स्थानीय लोगों की आय का सबब बना। आमतौर पर नियोक्ता अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को न्यूनतम वेतन देते हैं, लिहाजा यह छोटे दुकानदारों का कम श्रमिक खर्च में अधिक मुनाफा बनाने में सहायक होता है। दो साल की पढ़ाई और एक साल कनाडा में कार्य-अनुभव के बाद कोई विद्यार्थी पीआर पाने योग्य हो जाता है, लेकिन पीआर उन्हें मिलती है जिनका कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम (सीआरएस) में तयशुदा स्कोर बनता हो। जिसके आधार पर आकलन कर एक्सप्रेस एंट्री पूल के लिए स्कोर और रैंकिंग निर्धारण किया जाता है। सीआरएस स्कोर आवेदक की क्षमताएं जैसे भाषा बोलने-समझने की काबिलियत, शिक्षा, कार्यानुभव और उम्र से जुड़ा है। साल 2022 के लिए, हरेक पूल में सीएसआर स्कोर की न्यूनतम योग्यता विभिन्न चक्र में अलग-अलग है, प्रत्येक चक्र में न्यूनतम सीएसआर स्कोर का कट-ऑफ अधिकांशतः 491 से 557 के बीच रखा गया है। किसी पूल में कट-ऑफ वैल्यू, आवेदनकर्ताओं की कुल संख्या, उनके सीएसआर स्कोर और आव्रजन विभाग ने कितने आवेदन पाने को मंजूरी दी है, इनके मद्देनज़र तय होती है।

बीते तेईस अक्तूबर तक पूल में 2,14,874 आवेदन आए और इनमें केवल 3600 युवाओं को, जिनका सीएसआर स्कोर 431 से ऊपर रहा, अगले चयन चक्र के लिए बुलाया गया। अन्य रोजगार क्षेत्र में भी कामगारों की जरूरत न्यूनतम होने के कारण, आवेदकों को अन्य तरीकों से अतिरिक्त अंक हासिल करने में हो सकता है कई महीने या फिर कई साल इंतजार करना पड़े। हालांकि तब तक, वे तीन वर्षीय वर्क परमिट वाली अस्थाई कामगार श्रेणी में गिने जाएंगे। किसी नियोक्ता का नियुक्ति पत्र हाथ में होने पर अतिरिक्त अंक का दावा बन जाता है और इसके आधार पर लेबर मार्केट इम्पैक्ट वैल्यूएशन एसेसमेंट का अनुमोदन मिलता है। लेकिन यह कह देना बड़ा आसान है और करना मुश्किल क्योंकि जब किसी पूल में आवेदकों की संख्या बहुत अधिक हो और नौकरी के अवसर काफी कम, तो बहुत से पीआर चाहवानों को विभाग से बुलावा नहीं मिलता। कभी-कभार सरकार सीएसआर स्कोर उत्तीर्णता सीमा में ढील देती है, जैसा कि 2021 में इसे घटाकर 75 कर दिया तो लाखों आवेदकों को लाभ हुआ। लेकिन अगली बार छूट कब होगी, पक्का नहीं। नतीजतन, कुछ विद्यार्थियों को अपने देश लौटना होगा। देखा गया है कि भारतीय छात्र लचीला रुख रखते हैं और लंबे समय इंतजार करते हैं या अपने सीएसआर स्कोर में बढ़ोतरी के लिए कोई अन्य हीला-हवाला अपनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन यह बात सब पर लागू नहीं होती। सीबीसी न्यूज़, कनाडा ने 30 अप्रैल, 2022 को सरकारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में 50 फीसदी का पढ़ाई के एक साल बाद कोई टैक्स-रिकॉर्ड नहीं है, जिससे माना जा सकता है कि वे कनाडा छोड़कर जा चुके हैं। उपरोक्त व्यवस्थागत बाधाओं के अलावा नीतियों में बदलाव और कनाडा में जीवनयापन खर्च में भारी इजाफा आप्रवासियों को कनाडा-स्वप्न त्यागने को मजबूर कर रहा है। कनाडा मुद्रास्फीति की जकड़ में है और आय में आनुपातिक वृद्धि न होने के कारण लोगों की बचत घट रही है। आव्रजनों, शरणार्थियों और नागरिकता के चाहवानों को कनाडा बेशक पनाह देता है, लेकिन उनके यहां बसने और बने रहने के लिए बहुत कम उपाय करता है। पीआर पाने की राह जटिलताओं और बाधाओं से भरी पड़ी है, स्पष्टता नहीं है और अप्रत्याशित नीतियों से चालित है। लेकिन तमाम मुश्किलों के बावजूद अभी भी भारतीयों की कतारें कनाडा की ओर क्यों हैं? आप्रवास में धक्का और खिंचाव के रूप में दो बल काम करते हैं। भले ही कनाडा का खिंचाव कमजोर पड़ा हो लेकिन भारतीयों का धक्का अभी भी तगड़ा है।

लेखक यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्दन ब्रिटिश कोलंबिया में प्रोफेसर रहे हैं।

आत्मनियंत्रण से थमेगा सांसों का ज़हर

बेअसर तकनीकी प्रयोग/ पंकज चतुर्वेदी

जब दिल्ली और उसके आसपास दो सौ किलोमीटर की सांसों पर संकट छाया और सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नजरिया अपनाया तो सरकार का एक नया शिगूफा सामने आ गया—कृत्रिम बरसात। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां यह बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नाइट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ 'आक्साइड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि 'आक्साइड आफ नाइट्रोजन' गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यहां कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कोनों पर चिपक जाती है। इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी-सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जायें। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाबों पर भी रासायनिक ख़तरा बना रहता है। हमारे नीति-निर्धारक आखिर यह क्यों नहीं समझ रहे कि बढ़ते प्रदूषण का इलाज तकनीक में तलाशने से ज्यादा जरूरी है प्रदूषण को ही कम करना। दिल्ली में अभी तक जितने भी तकनीकी प्रयोग किये गये, हकीकत में वे बेअसर ही रहे हैं। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसकी एक टिप्पणी के चलते इस बार दिल्ली में वाहनों का सम-विषम संचालन थम गया। तीन साल पहले एम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कह दिया था दूषित हवा से सेहत पर पड़ रहे कुप्रभाव का सम-विषम स्थायी समाधान नहीं है। क्योंकि ये उपाय उस समय अपनाये जाते हैं जब हालात पहले से ही आपात स्थिति में पहुंच गये हैं। यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट भी कह चुकी है कि जिन देशों में ऑड-ईवन लागू हैं वहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट काफ़ी मजबूत और फ्री है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अदालत को बता चुकी है कि ऑड-ईवन से वायु-गुणवत्ता में कोई ख़ास फायदा नहीं हुआ। प्रदूषण सिर्फ 4 प्रतिशत कम हुआ है। इससे पहले हम 'स्मॉग टॉवर' के हसीन सपनों को तबाह होते देख चुके हैं। दिवाली के पहले जब दिल्ली में वायु गुणवत्ता सबसे खराब थी तब राजधानी में लगे स्मॉग टावर धूल खा रहे थे। सनद रहे 15 नवम्बर, 2019 को जब दिल्ली हांफ रही थी तब सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिक राहत के लिए प्रस्तुत किये गये विकल्पों में से 'स्मॉग टॉवर' के निर्देश दिए थे। एक साल बाद दिल्ली-यूपी सीमा पर 20 करोड़ लगाकर आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाया। इससे पहले 23 अगस्त को कनॉट प्लेस में पहला स्मॉग टॉवर 23 करोड़ खर्च कर लगाया गया था। इसके संचालन और रखरखाव पर शायद इतना अधिक खर्चा था कि वे बंद कर दिए गये। इसी हफ्ते जब फिर सुप्रीम कोर्ट दिल्ली की हवा के ज़हर होने पर चिंतित दिखा तो टॉवर शुरू कर दिए गये। वैसे यह सरकारी रिपोर्ट में दर्ज है कि इस तरह के टॉवर से समग्र रूप से कोई लाभ हुआ नहीं। महज कुछ वर्ग मीटर में थोड़ी-सी हवा साफ़ हुई। असल में स्मॉग टॉवर बड़े आकार का एयर प्यूरीफायर होता है। सन 2020 में एमडीपीआई (मल्टी डिसिप्लिनरी डिजिटल पब्लिशिंग इंस्टीट्यूट) के लिए किए गए शोध 'कैन वी वैक्यूम अवर एयर पॉल्यूशन प्रॉब्लम यूजिंग स्माग टॉवर' में सरथ गुट्टीकुंडा और पूजा जवाहर ने बता दिया था कि चूंकि वायु प्रदूषण की न तो कोई सीमा होती है और न ही दिशा, सो दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र- गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम और रोहतक के सात हजार वर्ग किलोमीटर इलाके में कुछ स्मॉग टावर बेअसर ही रहेंगे। वैसे, दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के अन्य उपाय पर भी काम चल रहा है। जापान सरकार अपने एक विश्वविद्यालय के जरिये दिल्ली-एनसीआर में एक शोध-सर्वे करवा चुका है जिसमें उसने आकलन किया है कि आने वाले दस साल में सार्वजनिक परिवहन और निजी वाहनों में हाइड्रोजन और फ्यूल सेल-आधारित तकनीक के इस्तेमाल से उसे कितना व्यापार मिलेगा। हाइड्रोजन का ईंधन के रूप में प्रयोग करने पर बीते पांच साल के दौरान कई प्रयोग हुए हैं। बताया गया है कि इसमें शून्य कार्बन का उत्सर्जन होता है और केवल पानी निकलता है। इस तरह के वाहन महंगे होंगे ही। फिर टायर घिसने और बैटरी के धुएं से स्मॉग बनाने की संभावना तो बरकरार ही रहेगी। शहरों में भीड़ कम हो, निजी वाहन कम हों, जाम न लगे, हरियाली बनी रहे- इसी से ज़हरीला धुआं कम होगा। मशीनें मानवीय भूल का निदान नहीं होती। हमें जरूरत है आत्म नियंत्रित ऐसी प्रक्रिया की, जिससे वायु को ज़हर बनाने वाले कारक ही जन्म न लें।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव की बिसात बिछी, अडानी नहीं जनता की सरकार

(लेखक- सनत जैन)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव मे क्या लोकसभा चुनाव की बिसात बिछ गई है। इसका उत्तर है हां। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से कांग्रेस ने जनता को राहत देने के लिए लोक लुभावन योजनाओं को आधार बनाकर मतदाताओं को गारंटी दी है। अब उस रणनीति के आधार पर भारतीय जनता पार्टी को भी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरना पड़ेगा। मुफ्त की रेवड़ी कहकर जिन योजनाओं का अभी तक भारतीय जनता पार्टी विरोध करती रही है। अब उन्ही मुफ्त रेवडियो के सहारे लोकसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। इससे पीछे हटना अब भारतीय जनता पार्टी के लिए संभव नहीं होगा। केंद्र सरकार को लोकसभा चुनाव के पूर्व सारे देश में 500 रूपये में गैस सिलेंडर, आयुष्मान योजना में 25 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, गरीबों को मुफ्त बिजली,किसानों के लिए बिजली की दरों में कटौती,किसानो के समर्थन मूल्य के दामों में वृद्धि,रोजगार,स्कूली और कॉलेज के विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा, छात्र-छात्राओं और महिलाओं को फ्री बस सुविधा, महिलाओं को 1500 रूपये प्रतिमाह, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मुद्दे पर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की मजबूरी बन गई है। भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जिस तरह से कांग्रेस की चुनावी रणनीति के भंवर जाल में फंसकर, राज्यों में लोक लुभावन घोषणाओं को मोदी की चुनावी गारंटी बना दिया है। लोकसभा में भी मोदी गारंटी के सहारे केंद्र सरकार को लोकसभा चुनाव के पहले इस तरह के निर्णय लेने का दबाव बन गया है। लगभग 10 साल से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है। पहली बार नरेंद्र मोदी और भाजपा को लेकर मतदाताओं में अविश्वास देखने को मिल रहा है। इस अविश्वास को विश्वास में बदलने के लिए केंद्र सरकार को बजट पूर्व में निर्णय करना ही पड़ेगा। अन्यथा 2024 का लोकसभा चुनाव जीतना भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत मुश्किल होगा। कांग्रेस ने बड़े सुनियोजित तरीके से भारतीय जनता पार्टी को अडानी के नाम पर अपने भंवर जाल में फंसा लिया है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी ने आम मतदाताओं के बीच पिछले 10 साल की कथनी और करनी के अंतर को बताया है। मतदाताओं पर उसका असर स्पष्ट रूप से दिखने लगा रहा है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान, कांग्रेस ने आम जनता तक यह संदेश पहुंचा दिया है, कि मोदी सरकार अडानी के लिए काम करती है। अडानी का कर्ज माफ करती है। सरकार के सारे प्रोजेक्ट अडानी को मिलते हैं। जनता के टैक्स के पैसे से अडानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है। सरकार आम जनता से टैक्स वसूलती है,और फायदा अडानी को पहुंचती है। पांच राज्यों के चुनाव मे कांग्रेस ने यह संदेश देशभर फैलाने में सफल हुई है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार अडानी के लिए काम कर रही है। 80 के दशक तक भारत में ट्रेड यूनियन नारे लगाती थी। टाटा-बिडला की सरकार नहीं चलेगी, नहीं चलेगी। लगभग वही स्थिति अब अडानी और अंबानी को लेकर भारत में एक बार फिर देखने को मिल रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्र सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। आम जनता की जरूरत जिसमे महंगाई, बेरोजगारी बढ़ता हुआ टैक्स अब सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बन रहा है। ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को सरकारी कर्मचारियों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में यह स्पष्ट हो गया है। लोकसभा चुनाव 2024 का एजेंडा एक तरह से सेट हो चुका है। चाह कर भी इस एजेंडे से बाहर भाजपा नहीं निकल सकती है। 2024 का लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी को जीतना है, जो आम जनता से जुड़े हुए मुद्दों को चुनाव में जाने के पहले ही सरकार को निर्णय करने होंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 2024 का लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी को भारी पड सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अडानी की नहीं जनता की सरकार के नाम पर लड़ा जाना तय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन का एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग तेजी से विकास से उच्च गुणवत्ता वाले विकास में बदला

बीजिंग। चीन का एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग तेजी से विकास से उच्च गुणवत्ता वाले विकास में बदल गया है। चाइना एक्सप्रेस एसोसिएशन के अध्यक्ष कोओ होंगफंग ने कहा कि चीन का एक्सप्रेस डिलीवरी उद्योग तेजी से विकास से उच्च गुणवत्ता वाले विकास की ओर बढ़ रहा है और चीनी एक्सप्रेस डिलीवरी कंपनियों को आधुनिक लॉजिस्टिक्स कंपनियों और व्यापक लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं में अपने परिवर्तन में तेजी लाने की जरूरत है। पांचवां चीन (हांगचो) अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस उद्योग सम्मेलन 22 नवंबर को पूर्वी चीन के चच्यांग प्रांत के हांगचो शहर में आयोजित हुआ। सम्मेलन में भाग लेने वालों ने चीन के एक्सप्रेस उद्योग के विकास की प्रवृत्ति के बारे में विश्लेषण किया। इसके साथ, सम्मेलन द्वारा जारी ग्लोबल एक्सप्रेस डिलीवरी डेवलपमेंट रिपोर्ट से पता चला कि चीन का एक्सप्रेस पार्सल व्यवसाय वॉल्यूम वर्ष 2014 के बाद से दुनिया में पहले स्थान पर है। साल 2022 में चीन का एक्सप्रेस पार्सल व्यवसाय वॉल्यूम 1 खरब 10 अरब 58 करोड़ पीस था, जिसमें 10 खरब 56 अरब 67 करोड़ युआन का व्यावसायिक राजस्व था। बताया गया है कि चीन की एक्सप्रेस और पार्सल कंपनियों की ताकत में काफी वृद्धि हुई है। चाइना पोस्ट और एसएफ़ एक्सप्रेस की रैंकिंग दुनिया की शीर्ष 500 कंपनियों में है। चीन का एक्सप्रेस डिलीवरी इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश लगातार बढ़ रहा है और इसकी सेवा क्षमताओं में वृद्धि जारी है।

गो फर्स्ट को एनसीएलटी से 90 दिन की राहत

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने गुरुवार को कॉरपोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया के तहत वाडिया के स्वामित्व वाली गो फर्स्ट एयरलाइन के लिए रोक को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। एनसीएलटी ने निर्देश दिया कि समाधान योजना को निर्धारित समय अवधि के भीतर पूरा किया जाए, जो 4 फरवरी, 2024 को समाप्त होगी। इस 90-दिन की अवधि में समाधान प्रक्रिया को पूरा करने में विफलता के कारण न्यायाधिकरण कंपनी के परिसमापन का आदेश दे देगा। यह फैसला बंद पड़ी एयरलाइन के लिए एक जीत है, क्योंकि मामले में विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी की दलीलें खारिज कर दी गईं। गो फर्स्ट के रेजोल्यूशन प्रोफेशनल ने ट्रिब्यूनल को सूचित किया कि एयरलाइन के लिए एक संभावित बोलीदाता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) अब वाहक के लिए अगले कदम पर पुनर्विचार कर रही है।

ताज होटल के डेटा में लगी सेंध, करीब 15 लाख ग्राहकों की जानकारी खतरे में

नई दिल्ली। रिपोर्ट के अनुसार टाटा के स्वामित्व वाले ताज होटल में हाल ही में हुए डेटा लीक मामले में लगभग 1.5 मिलियन लोगों की निजी जानकारी में सेंध लग गई है।ताज ग्रुप चलाने वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के प्रवक्ता ने कहा, अपराधी, जिसे डैनकुकीज के नाम से जाना जाता है, वह संपूर्ण डेटासेट, पते, सदस्यता आईडी, मोबाइल नंबर और अन्य व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) के लिए 5,000 डॉलर का अनुरोध कर रहा है।हमें किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में अवगत कराया गया है जो सीमित ग्राहक डेटा सेट के कब्जे का दावा कर रहा है जो गैर-संवेदनशील प्रकृति का है। हमारे ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रवक्ता ने कहा, हम इस दावे की जांच कर रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया है। हम अपने सिस्टम की निगरानी करना जारी रखते हैं।हालांकि, दिल्ली पुलिस ने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि उन्हें ताज समूह से कोई शिकायत मिली है या नहीं।

धोखाधड़ी के मामले बढ़ने पर बैंकों को साइबर सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए : आरबीआई

मुंबई।

आरबीआई ने गुरुवार को कहा कि बैंकों को अपने ग्राहकों को धोखाधड़ी और डेटा उल्लंघनों की बढ़ती घटनाओं से बचाने के लिए साइबर सुरक्षा मजबूत करने और साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर राजेश्वर राव ने गुरुवार को एफआईबीएसी 2023 सम्मेलन में अपने संबोधन में कहा कि वित्तीय समावेशन, ग्राहक पहुंच, उत्पाद विकल्प और सुविधा में वृद्धि के साथ बैंकिंग परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि, धोखाधड़ी और डेटा लीक की बढ़ती घटनाओं के साथ उपभोक्ता के लिए जोखिम भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बैंक ग्राहकों को आज धोखाधड़ी वाले ऐप्स, गोपनीयता नियम का उल्लंघन और डीपफेक जैसे प्रौद्योगिकी प्रेरित धोखाधड़ी के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। राव ने कहा, यहां तक कि गलत बिक्री भी अब एक डिजिटल अवतार में उभरी है, जिसे डार्क पैटर्न कहा जाता है। डार्क पैटर्न डिज़ाइन इंटरफेस और रणनीति हैं, जिनका उपयोग उपयोगकर्ताओं को वांछित व्यवहार में फंसाने के लिए किया जाता है, जैसे कि तत्काल ऋण के रूप में उच्च लागत वाले अल्पकालिक उपभोक्ता ऋण का लाभ उठाना। हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए, स्मार्ट तरीके से काम करना चाहिए और ग्राहकों को इन खतरों से बचाने के लिए उनके विश्वास को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुरक्षा का एक प्रमुख तत्व उन्हें एक कुशल, त्वरित और लागत प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करना है।उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, ऐसा प्रतीत होता है कि ग्राहकों की शिकायतों का समय पर समाधान प्रदान करने के बैंकों के प्रयास प्रौद्योगिकी और उत्पादों में विस्फोट के साथ तालमेल नहीं रख पाए हैं।

एयर इंडिया पर 10 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित मानकों का अनुपालन नहीं करने के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि दिल्ली, कोच्चि और बेंगलुरु के हवाई अड्डों पर एयर इंडिया की इकाइयों का निरीक्षण करने के बाद यह पाया गया कि एयरलाइन नागर विमानन प्रावधानों (सीएआर) का ठीक से पालन नहीं कर रही है। इस संदर्भ में एयर इंडिया को तीन नवंबर को नियामक की तरफ से कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड पश्चिम बंगाल में करेगी 20,000 करोड़ रुपये का निवेश

-बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में चेयरमैन मुकेश अंबानी ने की घोषणा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में अगले तीन वर्षों में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के सातवें संस्करण के उद्घाटन सत्र में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में अगले तीन वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और गैर-पारंपरिक ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश किया जाएगा। राज्य के सुदूर इलाकों तक जियो टेलीकॉम का नेटवर्क बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करने की जानकारी देते हुए अंबानी ने कहा,` कि हम पहले ही पश्चिम बंगाल में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। अगले तीन वर्षों में राज्य में 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। उन्होंने बताया कि रिलायंस मार्केट पश्चिम बंगाल के हस्तशिल्प उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन में मदद करेगा, इसके अलावा इन हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन के लिए राज्य में एक नया प्रशिक्षण केंद्र भी खोलेगा। पिछले कुछ वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल में हासिल की गई सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि यह साबित करती है कि राज्य नए निवेश के लिए कितना उपयुक्त है। अंबानी ने कहा` कि ममता बनर्जी के गतिशील नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में एक आदर्श निवेश माहौल है।

Reliance Industries Limited

दो दिन की तेजी के बाद गुरुवार को लाल हुआ बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो दिन से जारी तेजी पर गुरुवार को ब्रेक लग गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार अंतिम समय में गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स जहां 5.43 अंक गिरकर 66,017 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 10 अंक की गिरावट लेकर 19,802 पर आ गया।

बता दें कि किसी भी तरह की गतिविधियों के अभाव के बीच गुरुवार को बाजार में बहुत ज्यादा उतार-चढाव देख गया और इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग सपाट बंद हुए। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5.43 अंक गिरकर 66,017.81 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 66,235.24 के उच्चतम और 65,980.50 के निचले स्तर पर पहुंच गया।

इसतरह निफ्टी-50 भी 9.85 अंक की मामूली गिरावट लेकर 19,802 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 25 के शेयर हरे जबकि शेष 25 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्राटेक के शेयर में सबसे ज्यादा 1.75 प्रतिशत की गिरावट आई। साथ ही लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, इंफोसिस, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट में बंद हुए।

दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, भारती एयरटेल, विप्रो, एचडीएफसी बैंक और टाटा स्टील के शेयर लाभ के साथ बंद हुए।

स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) ने 306.56 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। स्थानीय कॉरपोरेट्स और बड़े विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की मांग के कारण रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को 0.03 प्रतिशत कमजोर हुआ और 83.35 प्रति डॉलर पर आ गया।

सिप्ला का शेयर निफ्टी में गुरुवार को टॉप लूजर साबित हुआ। अमेरिकी दवा रेगुलेटर की तरफ से एक प्लांट में मैन्युफेक्चरिंग संबंधी नियमों के उल्लंघनों को लेकर चेतावनी पत्र प्रकाशित करने के बाद सिप्ला का शेयर एक दिन में लगभग 8 लुढ़क गया।

रुपया दो पैसे बढ़कर 83.30 प्रति डॉलर

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और स्थानीय शेयर बाजारों में बढ़त के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.30 पर पहुंचा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले कमजोर होने से विदेशी कोषों की निकासी के बावजूद रुपए की धारणा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.30 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त के है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.32 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.74 पर रहा।

भारत में बनी कार बिकेगी अब जापान में

- 5 लोग कर सकते हैं शान की सवारी

नई दिल्ली ।

बहुत जल्द होंडा कार्स इंडिया अपनी एक नई एसयूवी का भारत से एक्सपोर्ट शुरू कर सकती है। कंपनी भारत में बनी इन एसयूवी का जापान में एक्सपोर्ट शुरू करेगी। बता दें कि भारत में बनाए जाने वाले होंडा एलिवेट को जापान में डब्ल्यूआर-वी के नाम से लॉन्च किया जाएगा। अगर होंडा डब्ल्यूआर-वी की बात करें तो, इसका पूरा डिजाइन एलिवेट के जैसा है। कार के इंटीरियर में भी पूरी तरह एलिवेट की झलक देखने को मिलती है। हालांकि, जापान बेस्ड डब्ल्यूआर-वी के इंटीरियर को पूरी तरह ब्लैक आउट थीम दिया गया है। इसके अलावा इसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम भी नया लगाया गया है। कंपनी इस एसयूवी में 1.5 लीटर (1500सीसी) का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दे रही है। यह वही इंजन है जिसका इस्तेमाल एलिवेट में किया जा रहा है। यह इंजन सीवीटी गियरबॉक्स से लैस है। डब्ल्यूआर-वी का साइज एलिवेट के समान है और इसे भी 5 सीटर एसयूवी के तौर पर पेश किया गया है। कंपनी का कहना है कि यह रणनीतिक कदम भारतीय परिचालन की विनिर्माण क्षमताओं का एक मजबूत प्रतिबिंब है और देश को होंडा व्यवसाय में एक प्रमुख निर्यात केंद्र बनाने के दृष्टिकोण को भी मजबूत करता है। कंपनी अपने तापुकारा प्लांट से घरेलू और निर्यात आवश्यकताओं को पूरा करने के में सक्षम है। होंडा कार्स इंडिया ने इस साल सितंबर में घरेलू बाजार में एलिवेट को लॉन्च किया था। जापान के बाजार में होंडा एलिवेट जून-जुलाई 2024 में दस्तक दे सकती है। भारत में होंडा एलिवेट की कीमत 11 लाख

रुपये से शुरू होकर 16.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। यह एसयूवी फॉरवर्ड व्हीलड्राइव फंक्शन के साथ आती है। कंपनी इसे 3 डुअल टोन और 7 मोनोटोन रंगों में बेच रही है। बता दें कि भारत में बनी कारें आज दुनिया भर में बेची जा रही हैं। कई कार कंपनियां भारत में बनी कारों को अलग-अलग देशों में एक्सपोर्ट कर रही हैं। भारत दुनिया भर की ऑटोमोबाइल कंपनियों का मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है।

माइक्रोसॉफ्ट का 'को-पायलट एआई' अब विंडोज 10 यूजर्स के लिए उपलब्ध

नई दिल्ली।

माइक्रोसॉफ्ट अब विंडोज 10 यूजर्स को एआई-संचालित 'को-पायलट फीचर' आजमाने की सुविधा दे रहा है। यह पहले केवल विंडोज 11 में उपलब्ध थी। सुविधा का उपयोग करने के लिए एलिजिबल डिवाइस वाले यूजर्स को एक रिलीज पूर्वावलोकन बिल्ड स्थापित करने की आवश्यकता होगी जिसमें एआई-संचालित को-पायलट तक पहुंच शामिल है। पूर्वावलोकन बिल्ड को स्थापित करने और संभावित रूप से विंडोज 10 होम या प्रो पर को-पायलट को आजमाने के लिए यूजर्स को विंडोज इनसाइडर टेस्टर प्रोग्राम में नामांकित होने की आवश्यकता होगी।कंपनी ने कहा, 'आपके डिवाइस को विंडोज पर को-पायलट के लिए योग्य होने की पुष्टि होने में समय लग सकता है, इसलिए यह तुरंत दिखाई नहीं देगा। को-पायलट को चलाने के लिए, सिस्टम आवश्यकता में कम से कम 4 जीबी रैम और एक डिस्प्ले एडॉप्टर शामिल है, जो कम से कम 720पी के रिजॉल्यूशन का समर्थन करता है।माइक्रोसॉफ्ट ने यह भी बताया कि चैटबॉट का पूर्वावलोकन अभी केवल चुनिंदा बाजारों, यानी उत्तरी अमेरिका और एशिया और दक्षिण अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में ही उपलब्ध है, जिसका अर्थ है कि यूजर्स को भौगोलिक आधार पर लॉक किया जा सकता है। कंपनी ने बताया, 'विंडोज में को-पायलट बटन विंडोज 10 में टास्कबार के दाईं ओर दिखाई देगा। जब आप इसे चुनते हैं, तो विंडोज में को-पायलट आपकी स्क्रीन पर दाईं ओर दिखाई देता है। यह डेस्कटॉप सामग्री के साथ ओवरलैप नहीं होगा या खुली ऐप विंडो को ब्लॉक नहीं करेगा।' इस बीच, यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) में डिजिटल मार्केट एक्ट (डीएमए) का अनुपालन करने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट ने ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) में कई बदलाव किए हैं, जो अब यूजर्स को प्रदाताओं के बीच चयन करने और अधिकांश इन-बॉक्स ऐप्स को अनइंस्टॉल करने की सुविधा देता है। विंडोज सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार, परिवर्तनों में माइक्रोसॉफ्ट एज वेब ब्राउजर को अनइंस्टॉल करने के साथ-साथ विंडोज सर्च फलक से बिंग सर्च को हटाने की क्षमता शामिल है।

फेसबुक ने फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान करने वाले विज्ञापनों को दी मंजूरी : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

फेसबुक ने कथित तौर पर फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान करने वाले कई विज्ञापनों को मंजूरी दे दी, कुछ में फ़िलिस्तीनी नागरिकों और कार्यकर्ताओं की हत्या का भी आह्वान किया गया। द इंटरसेप्ट के साथ शेयर किए गए मटेरियल के अनुसार, हिब्रू और अरबी दोनों भाषाओं में विज्ञापनों में फेसबुक और इसकी मूल कंपनी मेटा की नीतियों का उल्लंघन शामिल था। रिपोर्ट में दावा किया गया है, कुछ में सीधे तौर पर फिलिस्तीनी नागरिकों की हत्या का आह्वान करने वाले हिंसक मटेरियल शामिल थे, जैसे फिलिस्तीनियों के लिए नरसंहार और गजान की महिलाओं और बच्चों और बुजुर्गों का सफाया करने की मांग करने वाले विज्ञापन। अन्य पोस्ट में गाजा के बच्चों को भविष्य के आतंकवादी और अरब सूअरों का संदर्भ दिया गया। रिपोर्ट में फिलिस्तीनी सोशल मीडिया रिसर्च और वकालत समूह 7 अमलेह के संस्थापक नदीम नशीफ के हवाले से कहा गया है, इन विज्ञापनों की मंजूरी फिलिस्तीनी लोगों के प्रति मेटा की विफलताओं की सीरीज में लेटेस्ट है। उन्होंने कहा, इस पूरे संकट के दौरान, हमने फिलिस्तीनियों के खिलाफ मेटा के स्पष्ट पूर्वाग्रह और भेदभाव का एक निरंतर पैटर्न देखा है। फेसबुक के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विज्ञापन गलती से स्वीकृत हो गए थे। रिपोर्ट में प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, हमारे जारी निवेशों के बावजूद, हम जानते हैं कि ऐसे कुछ उदाहरण होंगे जिन्हें हम भूल जाते हैं या हम गलती से हटा देते हैं, क्योंकि मशीनें और लोग दोनों गलतियां करते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, इसीलिए विज्ञापनों की कई बार समीक्षा की जा सकती है, जिसमें एक बार लाइव होना भी शामिल है। मेटा की नीतियों का उल्लंघन करने वाले विज्ञापनों को प्लेटफ़ॉर्म से हटा दिया गया था। किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की हत्या का आह्वान करना फेसबुक के विज्ञापन नियमों का उल्लंघन है।

पोर्ट ब्लेयर के लिए दैनिक उड़ान शुरू करेगी अकासा एयर

नई दिल्ली।

पर्यटन केंद्र और दो प्रमुख महानगरों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए अकासा एयर चेन्नई के माध्यम से बेंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर के बीच दैनिक उड़ानों को शुरू करेगी। पोर्ट ब्लेयर का उष्णकटिबंधीय द्वीप एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अकासा एयर का प्रवेश देश भर में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए एयरलाइन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिससे यात्रियों को शहरों के बीच जुड़ने और उड़ान भरने के अधिक विकल्प मिलते हैं। घोषणा पर टिप्पणी करते हुए अकासा एयर के सह-संस्थापक और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने कहा, अकासा एयर में हम हवाई यात्रा को सुलभ बनाने का प्रयास करते हैं। अंडमान में परिचालन की शुरुआत नेटवर्क विस्तार में हमारे निरंतर प्रयासों की दिशा में एक और कदम है।

अय्यर ने कहा, पोर्ट ब्लेयर लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करता है और हवाई यात्रा की मजबूत मांग के साथ एक आकर्षक पर्यटन स्थल है। पोर्ट ब्लेयर को शामिल किया जाना और यात्रियों को बिना बाधा यात्रा विकल्प देना अकासा एयर की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। हमें यकीन है कि हमारी विश्वसनीय सेवा और किफायती किराए अधिक उपभोक्ताओं को द्वीप पर आने और घूमने में सक्षम बनाएंगे।

एक्स पर फिर से न्यूज हेडलाइंस दिखाएंगे: मस्क

नई दिल्ली।

एलन मस्क ने गुरुवार को कहा कि एक्स फिर से न्यूज हेडलाइंस दिखाना शुरू कर देगा, क्योंकि प्लेटफॉर्म ने बेहतर एस्थेटिक्स के लिए पिछले महीने प्रीव्यू में यूआरएल के साथ टाइटल्स दिखाना बंद कर दिया था। एक्स पर एक पोस्ट में, मस्क ने कहा कि अपकमिंग अपडेट में न्यूज आर्टिकल्स के साथ हेडलाइंस वापस आएंगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मालिक ने कहा, अपकमिंग रिलीज में, यूआरएल कार्ड की इमेज के ऊपरी हिस्से में टाइटल को ओवरले किया जाएगा।हालांकि, हेडलाइंस अभी भी इमेज पर छाई रहेंगी। मस्क ने कहा, हर पिक्सेल मायने रखता है। अक्टूबर में बदलाव के बाद, यूजर्स को वास्तव में टाइटल जानने या हेडलाइंस पढ़ने के लिए यूआरएल कार्ड पर क्लिक या टैप करना पड़ता था। यह अपडेट तब आया है जब आईबीएम, एप्पल, डिज्नी, वार्नर ब्रदर्स, डिस्कवरी, पैरामाउंट और कॉमकास्ट/एनबीसीयूनिवर्सल जैसी कई टॉप कंपनियों ने एक्स पर विज्ञापन रोक दिया, क्योंकि मस्क ने दूर-दराज दृष्टिकोण का समर्थन करना जारी रखा और उन पोस्टों से सहमत हुए जो यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा देते हैं। इसके बाद मस्क ने वाम-झुकाव वाले गैर-लाभकारी मीडिया मैटर्स पर अनुबंध में हस्तक्षेप, व्यापार अपमान और संभावित आर्थिक लाभ में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया। गैर-लाभकारी संस्था ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि एक्स एडॉल्फ हिटलर और उनकी नाजी पार्टी का प्रचार करने वाले कंटेंट के पास एप्पल और आईबीएम जैसे प्रमुख ब्रांडों के विज्ञापन दे रहा है। इसके चलते कई हाई-प्रोफाइल ब्रांडों ने एक्स पर अपने विज्ञापन रोक दिए। एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा कि वह प्लेटफॉर्म पर सच्चाई और निष्पक्षता के लिए प्रतिबद्ध हैं।

युवा भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में अच्छा प्रदर्शन करेगी : अक्षर पटेल

(एजेंसी) भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल को उम्मीद है कि युवा भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेगी। चोट के कारण अक्षर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में नहीं खेल पाए थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए उनकी टीम में वापसी हो गई है।बुधवार को अभ्यास सत्र के बाद जियो सिनेमा से बात करते हुए अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला से उम्मीदों पर प्रकाश डाला।अक्षर ने कहा, हर कोई जानता है कि विश्व कप फाइनल में हमारे दिल टूटे थे। लेकिन अब आगे बढ़ने का समय है। हमारे पास एक युवा टीम है जो टी20 में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। हम सभी यह साबित करने के बेताब हैं कि हम क्या कर सकते हैं। टीम में बहुत ऊर्जा है। बात सिर्फ इतनी है कि टी20 विश्व कप से पहले प्रभाव छोड़ने के लिए हमारे पास केवल 10-11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच हैं। इसलिए, हम सभी को अपनी ताकत के अनुसार खेलने के लिए कहा गया है। एशिया कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट से पीड़ित होने से पहले ऑलराउंडर को शुरुआती 15 सदस्यीय विश्व कप टीम में नामित किया गया था, जिसके बाद उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन को लिया गया, जो केवल एक लीग मैच खेलने में सफल रहे।

अगले विश्वकप में नहीं दिखेंगे कई भारतीय खिलाडी

-उम्र और फिटनेस को लेकर उठ गई हैं चिंताएं

नई दिल्ली ।

विश्व कप में आस्ट्रेलिया के हाथों पराजय मिलने के बाद अब सारी नजरें भारतीय खिलाड़ियों पर टिक गई हैं जिनकी उम्र और फिटनेस को लेकर चिंताएं उठ गई हैं। माना जा रहा है कि यह विश्व कप कई क्रिकेटरों का आखिरी भी हो सकता है। इनमें से कई क्रिकेटर मुश्किल से ही अगले संस्करण में खेल पाएंगे।2023 विश्व कप में रोहित शर्मा भले ही बल्ले से सफल रहे लेकिन वह अपनी टीम को बतौर कप्तान रहते जीत नहीं दिला पाए। रोहित को 2011 विश्व कप टीम में चुना नहीं गया था लेकिन उन्होंने वापसी की और 2019 में उपकप्तान और 2023 में कप्तान बनकर लौटे। रोहित ने इस विश्व कप में 54.27 की औसत और 125.94 की शानदार स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाए। रोहित अभी 36 साल के हैं। रविचंद्रन अश्विन जिन्हें बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल के चोट के कारण बाहर होने के बाद भारतीय वनडे विश्व कप 2023 टीम में शामिल किया गया था, को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र मैच में मौका मिला था जिसमें उन्होंने 34 रन देकर एक विकेट लिया था। अश्विन अभी 37 साल के हैं, और यह कहना बिल्कुल सुरक्षित है कि वह 2027 विश्व कप से पहले संन्यास लेने वाले पहले व्यक्ति हो सकते हैं। इस बार शायद उन्हें हमेशा के लिए वनडे टीम से भी बाहर किए जाने की संभावना है। अश्विन 2011 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। मोहम्मद शमी ने अपनी गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम को अकेले अपने कंधे पर उठाया। उन्होंने टूर्नामेंट को अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त किया और कई रिकॉर्ड तोड़े। वह विश्व कप मंच पर भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। शमी जल्द 37 साल के हो जाएंगे और एक तेज गेंदबाज होने के नाते उनके लिए अगले विश्व कप तक आगे बढ़ना बहुत मुश्किल होगा। रवींद्र जडेजा जिनका 2023 विश्व कप अभियान बल्ले और गेंद दोनों से सफल रहा था का 2027 विश्व कप में शामिल होना मुश्किल लग रहा है।

विश्व कप 2023 में अपना अभियान समाप्त करने के लिए जडेजा ने 16 विकेट लिए और बल्ले से 120 रन बनाए।34 साल की उम्र में उनकी फिटनेस के बारे में कोई संदेह नहीं है, लेकिन भारतीय टीम में आने के लिए तैयार युवाओं को देखते हुए, जडेजा को विश्व कप के अगले संस्करण में अपने लिए जगह नहीं मिल सकती है। विराट कोहली ने विश्व कप में 95.62 की औसत से तीन शतक और छह अर्धशतकों के साथ 765 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हालांकि, 35 वर्षीय खिलाड़ी वनडे विश्व कप के अगले संस्करण में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि उन्होंने इस टूर्नामेंट में अपना सब कुछ झोंक दिया है। उम्मीद यह भी है कि वह अब टेस्ट फॉर्मेट पर ही फोक्स कर सकते हैं।

एशिया कप पैरा-आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में श्रीमंत झा ने जीता कांस्य

नई दिल्ली।

18 नवंबर से शुरू हुई और 25 नवंबर को उज्बेकिस्तान में समाप्त होने वाली एशिया कप पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के श्रीमंत झा ने कांस्य पदक जीता। छत्तीसगढ़ के रहने वाले श्रीमंत झा ने पीआईयूएच 90 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता और इस पदक को भारत के शहीद सैनिकों को समर्पित किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के अब्रोर रुस्तमोव को हराया था। किर्गिस्तान के चोलपोनबाई झारकुलोव ने इस वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अपने कांस्य पदक के साथ पैरा-आर्म रेसलिंग में जिनका यह 44 वां अंतर्राष्ट्रीय पदक था, एशिया के नंबर 1 और विश्व नंबर 3 भारतीय ने पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया, जो 6 से 10 दिसंबर तक क्रोएशिया में आयोजित की जाएगी। दोनों हाथों में चार अंगुलियों के साथ पैदा हुए 29 वर्षीय खिलाड़ी ने इससे पहले सितंबर में कजाकिस्तान में आयोजित पैरा-आर्मरेसलिंग विश्व चैंपियनशिप और इस साल संयुक्त अरब अमीरात में एशिया चैंपियनशिप में क्रमशः कांस्य और रजत पदक जीता था। 29 वर्षीय पैरा-आर्म पहलवान ने कहा, मेरे माता-पिता को हमेशा मुझ पर भरोसा था। भिलाई-छत्तीसगढ़ में मेरे दोस्तों ने भी मेरा समर्थन किया। केवल एक चीज जो मुझे पसंद नहीं आई, वह थी लोगों के चेहरे का भाव जब उन्हें एहसास हुआ कि मेरी उंगली के बिना हाथ कमजोर हैं। ये पदक साबित करते हैं कि मैं विशेष हूं। ये पदक सिर्फ मेरे नहीं हैं, बल्कि पूरे देश के हैं। स्कूल के दिनों से ही यह उनके लिए जिंदगी आसान नहीं रही। वह फुटबॉल खेलने के शौकीन थे और एक के बाद एक स्तर पार करते गए। लेकिन, उसके दाहिने हाथ के काम न करने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। आठवीं कक्षा के एक छात्र के लिए यह बेहद निराशाजनक था, जिससे वह निराशा से पीड़ित हो गया।

अंडर-17 फीफा विश्व कप के राउंड 16 में उज्बेकिस्तान ने इंग्लैंड को रौंदा

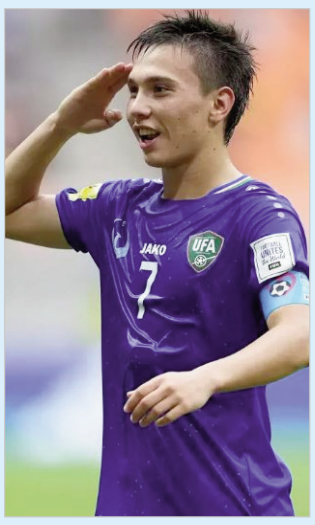

जकार्ता। अमीरबेक सैदोव और लजीजबेक मिर्जाएव के गोल की बदौलत उज्बेकिस्तान ने यहां जकार्ता इंटरनेशनल स्टेडियम (जेआईएस) में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर अंडर-17 फीफा विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार इंग्लैंड के लिए यह निराशाजनक निकास था क्योंकि यंग लायंस ने मध्य एशियाई देश के 12 शॉट्स के मुकाबले गोल पर कुल 20 शॉट्स के साथ अपना दबदबा बनाए रखा। शनिवार के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान का मुकाबला फ्रांस से होगा, जिसने सेनेगल के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से जीत हासिल की। बुधवार को भी जेआईएस स्टेडियम में आयोजित खेल 90 मिनट के बाद 0-0 पर समाप्त हुआ, जिसमें सेनेगल के नौ शॉट की तुलना में फ्रांस ने आठ शॉट लगाए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें अब टी20 सीरीज में भिडेगी

- इन खिलाड़ियों पर रहेगी सबकी नजरें

नई दिल्ली ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट की टीमें अब टी20 सीरीज में भिड़ने को तैयार हैं। इस सीरीज की शुरुआत 23 नवंबर से हो रही है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिहाज से अहम है क्योंकि टी20 विश्व कप के आयोजन में अब 7 महीने का समय बचा है। दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोनों टीमें हाल में बहुत क्रिकेट खेल चुकी हैं। ऐसे में टी20 सीरीज के लिए दोनों ने अपनी दूसरी टीम उतारी है। इस सीरीज में इन प्लेयर्स पर सबकी नजरें टिकी होंगी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर ईशान किशन इस मौके का भरपूर फायदा उठाना चाहेंगे। लेफ्ट हैंड बैटर ईशान किशन का पिछले 12 महीनों में टी20 क्रिकेट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं रहा। 25 साल के ईशान ने अभी तक खेले 29 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 121.63 की स्ट्राइक रेट से 686 रन बनाए हैं जिसमें 4 अर्धशतक शामिल है। उनकी बैटिंग औसत भी प्रभावित करने वाली नहीं रही है। ऐसे में ईशान की कोशिश घरेलू सीरीज के जरिए शानदार प्रदर्शन करने की होगी।रिंकू सिंह के रूप में भारत को एक बेहतरीन फिनिशर मिलता हुआ दिखाई दे रहा है जो नंबर 6 पर आकर मैच को फिनिश करने की कला को अच्छी तरह जानता है। रिंकू सिंह ने आईपीएल 2023 के पिछले सीजन में धमाकेदार प्रदर्शन से खूब वाहवाही बटोरी थी। मौजूदा समय में रिंकू 200 की स्ट्राइक रेट से बैटिंग कर रहे हैं। 5 मैचों में रिंकू 75 की औसत से रन बना चुके चुके हैं। विकेटकीपर जितेश शर्मा को संजू सैमसन की जगह तरजीह दी गई है। हालांकि इस खिलाड़ी को अभी खुद को साबित करना है। जितेश को अभी तक 3 टी20 इंटरनेशनल मैचों में खेलने का मौका मिला है जिसमें वह 149 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। जितेश से आने वाले समय में टीम इंडिया को काफी उम्मीदें हैं।लेफ्ट हैंड पेसर स्पेंसर जॉनसन अपनी पेस के लिए मशहूर हैं। लंबे कद के स्पेंसर ने अभी तक सिर्फ 2 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। घरेल टी20 को मिलाकर यह आंकड़ा 18 तक पहुंचता है। उन्होंने कुल 16 विकेट निकाले हैं। इस दौरान उनका औसत 29.56 रहा है जबकि उन्होंने 7.69 प्रति ओवर के हिसाब से रन दिए हैं। भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर तनवीर सांघा अपनी गेंदबाजी से छाप छोड़ चुके हैं। सांघा ने डेब्यू टी20 मैच में 4 विकेट हॉल अपने नाम किए थे। 21 वर्षीय यह फिरकी गेंदबाज का टी20 क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है।

संक्षिप्त समाचार

केरल पुलिस ने श्रीसंत और दो अन्य पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया

त्रिशूर, भारत के पूर्व क्रिकेटर एस. श्रीसंत पर उत्तरी केरल जिले में एक व्यक्ति द्वारा दर्ज मामले में दो अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। त्रिशूर जिले के चुंडल गांव के निवासी सरीश गोपालन ने आरोप लगाया कि आरोपी राजीव कुमार और वेंकटेश किनी ने 25 अप्रैल, 2019 से विभिन्न तिथियों पर 18.70 लाख रुपये लिए, यह दावा करते हुए कि वे कर्नाटक के कोल्लूर में एक खेल अकादमी बनाएंगे, जिसमें श्रीसंत एक भागीदार के रूप में शामिल होंगे। सरीश ने यह भी दावा किया कि उन्हें अकादमी में साझेदारी का अवसर दिया गया था जिसमें उन्होंने पैसा लगाया था। पुलिस ने श्रीसंत के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्हें दो अन्य लोगों के साथ तीसरा आरोपी बनाया गया है, जिन पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डेविड लॉयड ने पाकिस्तान के कप्तान के रूप में बाबर के इस्तीफे का समर्थन किया

नई दिल्ली, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने बाबर आजम के सभी प्रारूपों में पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ने के फैसले का समर्थन किया और कहा कि 29 वर्षीय खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में टीम की हार पर बाबर को पद छोड़ने के लिए कहा, जिसे उन्होंने पीसीबी प्रमुख जका अशरफ के साथ बैठक के बाद स्वीकार कर लिया। लॉयड ने मैदान पर कप्तानी की भूमिका को सरल पहलू के रूप में रेखांकित किया, जबकि 'राजनीतिक पहलुओं' से निपटना और हार से होने वाले नतीजे अराजक हो सकते हैं। क्रिकेट पाकिस्तान ने लॉयड के हवाले से कहा, '(कप्तानी का) सबसे आसान हिस्सा गेंदबाजी में बदलाव करना और फील्डिंग सेट करना है। जब नुकसान के बारे में सारी राजनीतिक बातें सामने आती हैं और पोस्टमार्टम होता है तो वह अराजक हो जाता है। बाबर का बल्ले से संघर्ष सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए पाकिस्तान के संघर्ष के प्रमुख पहलुओं में से एक था। वह नौ मैचों में 40 की औसत से चार अर्द्धशतक बनाते हुए 320 रन बनाने में सफल रहे, लेकिन सभी मैचों में 100 से कम की उनकी स्ट्राइक रेट जांच के दायरे में आ गई। उन्होंने कहा, ÷बाबर आजम इस समय दुनिया के महान खिलाड़ियों में से एक हैं। बस खेलते रहो और किसी और को सिरदर्द होने दो।'' बाबर के इस्तीफे के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शान मसूद को टेस्ट कप्तान नियुक्त किया, जबकि टी20 कप्तान की भूमिका तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी को दी गई।

क्रिस गेल का 44 की उम्र में जलवा बरकरार, बल्ले के हुए 2 टुकड़े, गेंद बाउंड्री पार

नई दिल्ली ।

वेस्टइंडीज के विस्फोटक ओपनर क्रिस गेल का जलवा 44 की उम्र में भी बरकरार है। गौरतलब है कि गेल इस समय लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेल रहे हैं। गुजरात जॉयंट्स की ओर से खेल रहे गेल के नाम टी20 में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का विश्व कीर्तिमान दर्ज है। उन्होंने भीलवाड़ा किंग्स के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में गेल ने एक ऐसा चौका जड़ा, जिसके बाद उनके बल्ले के दो टुकड़े हो गए। इस मैच में गुजरात की जीत से ज्यादा चर्चा गेल के टूटे बल्ले की हो रही है। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्पलेक्स में बुधवार रात खेले गए लीजेंड्स लीग क्रिकेट के चौथे मुकाबले में गुजरात जॉयंट्स ने भीलवाड़ा किंग्स के खिलाफ 3 रन से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में छठे ओवर में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज रेयान बॉटन की एक गेंद पर क्रिस गेल ने करारा प्रहार किया। गेंद दनदनाती हुई बाउंड्री के बाहर 4 रन के लिए चली गई लेकिन इस दौरान गेल का बल्ला टूट गया। हैंडल से बल्ले के दो टुकड़े हो गए। जानकारी के अनुसार क्रिस गेल ने इस मुकाबले में 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। एक समय गेल 18 गेंदों पर 26 रन बनाकर खेल रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने गियर बदला और साइडबॉटन के खिलाफ 5 गेंदों पर 24 रन ठोक डाले। गेल ने पहले साइडबॉटन की दो गेंदों पर दो छक्के जड़े। इसके बाद लगातार गेंदों पर 3 चौके जड़ दिए। इस ओवर में कुल 25 रन बने। वह 27 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। भीलवाड़ा किंग्स की कप्तानी कर रहे इरफान पठान की टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। 173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा किंग्स 169 रन ही बना सकी।

राशिद खान पीठ की चोट के कारण बीबीएल 13 से हटे

एडिलेड स्ट्राइकर्स को इस खबर से झटका लगा है कि अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान पीठ की चोट के कारण आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 13 से हट गए हैं, जिसके लिए मामूली सर्जरी की आवश्यकता है। स्ट्राइकर्स ने गुरुवार को घोषणा की कि राशिद को मामूली ऑपरेशन की आवश्यकता है और वह सीज़न से हट गए हैं। एडिलेड स्ट्राइकर्स के महाप्रबंधक (क्रिकेट) टिम नीलसन ने कहा कि यह एडिलेड स्ट्राइकर्स टीम के लिए एक बड़ी क्षति है। नीलसन ने कहा राशिद स्ट्राइकर्स का एक प्रिय सदस्य और एक प्रशंसक पसंदीदा है जो सात साल से हमारे साथ है, इसलिए इस गर्मी में उसकी बहुत याद आएगी। रशीद को एडिलेड और स्ट्राइकर्स से प्यार है, और हम जानते हैं कि वह बीबीएल में खेलना कितना पसंद करते हैं, और हम उनका समर्थन करते हैं क्योंकि खेल में उनकी दीर्घकालिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनके पास इस चोट का इलाज है। नीलसन ने आगे कहा कि प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ अब आगामी सीज़न के लिए राशिद की जगह लेने के लिए हमारे विकल्पों पर विचार करेगा और उचित समय पर एक प्रतिस्थापन खिलाड़ी की घोषणा की जाएगी।

डेविस कपः एबडेन-परसेल की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचाया

मलंगा। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराया और लगातार दूसरे साल डेविस कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। टॉमस माचाक ने जॉर्डन थॉम्पसन पर 6-4, 7-5 से जीत के साथ चेक गणराज्य को बढ़त दिला दी और जब दूसरे एकल मैच में जिरी लेहेका ने एलेक्स डी मिनौर पर 6-4, 5-3 से बढ़त बना ली तो ऑस्ट्रेलिया बाहर होने की ओर अग्रसर था। लेकिन अपने 3-5 सर्विस गेम में ड्यूस से, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार 10 अंक जीतकर मैच को पलट दिया और संघर्ष करते हुए 4-6, 7-6(2), 7-5 से जीत हासिल की। कप्तान लेटन हेविट ने कहा, मुझे कभी हार न मानने वाले रवैये पर गर्व है और वह निश्चित रूप से उसी श्रेणी में है। उसे वास्तव में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। इसके बाद मैथ्यू एब्डेन और मैक्स परसेल ने लेहेका और एडम पावलसेक पर 6-4, 7-5 की निर्णायक युगल जीत के साथ टाई जीतकर यह सुनिश्चित किया कि डी मिनौर की वीरता व्यर्थ नहीं थी।28 बार के डेविस कप चैंपियन का अगला मुकाबला शुक्रवार को सेमीफाइनलिस्ट फिनलैंड से होगा। सर्वकालिक डेविस कप ट्रॉफी सूची में ऑस्ट्रेलिया संयुक्त राज्य अमेरिका (32 खिताब) के बाद दूसरे स्थान पर है।

कभी नहीं सोचा था कि मेरी विश्व कप यात्रा सिर्फ एक मैच खेलने के साथ समाप्त हो जाएगीः अश्विन

नई दिल्ली।

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी विश्व कप यात्रा सिर्फ एक मैच खेलने के साथ समाप्त हो जाएगी।अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घरेलू मैदान - चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत का पहला लीग मैच खेला, जिसमें उन्होंने अपने निर्धारित दस ओवर के कोटे में 34 रन देकर एक विकेट लिया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, कभी नहीं सोचा था कि विश्व कप में मेरी दौड़ चेन्नई में एक मैच खेलने के बाद खत्म हो जाएगी, क्योंकि मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा था। धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ मेरी वापसी होनी थी, हार्दिक को दिल तोड़ने वाली चोट लगी थी। हार्दिक पांड्या एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे समझिए क्योंकि हमारे पास उनकी जगह लेने के लिए कोई ऑलराउंडर नहीं था। अश्विन ने भारत के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जीत की सराहना की और इसका श्रेय बैगी ग्रीन्स के रिकॉर्ड-विस्तारित छठे खिताब को अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शिखर मुकाबले में दिखाए गए उनके असाधारण सामरिक कौशल को दिया। लीग चरण के पहले दो मैचों में हार के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ फाइनल में पहुंचने के लिए लगातार आठ मैच जीते, फ़ाइनल उन्होंने ट्रैविस हेड की 137 रनों की मास्टरक्लास पारी की बदौलत छह विकेट से जीता। अश्विन फाइनल में पैट कमिंस के सामरिक मास्टरक्लास से बहुत प्रभावित हुए क्योंकि कमिंस ने श्रेयस अय्यर और विराट कोहली के दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। अश्विन ने कहा, ÷फ़ाइनल कमिंस द्वारा एक सामरिक मास्टरक्लास था, उनके पास एक ऑफ-स्पिनर के समान 4-5 क्षेत्ररक्षण सेटअप था, जो स्टंप लाइन को हिट करता था - उन्होंने बल्लेबाजों को ड्राइव करने की अनुमति नहीं देते हुए स्टंप लाइन की ओर 6 मीटर के निशान में केवल 3 गेंदें फेंकी - उन्होंने बिना मिड-ऑफ के ऑल-ओवर गेंदबाजी की, जो एक मास्टरक्लास है।

अश्विन को भी उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया परंपरा पर कायम रहेगा और पहले बल्लेबाजी करेगा, लेकिन उन्होंने अपने फैसले से सभी को चौंका दिया। उन्होंने कहा कि टॉस के लिए ऑस्ट्रेलिया की पसंद पिच की काली मिट्टी के विश्लेषण पर आधारित थी, जो शाम को बल्लेबाजी के लिए अनुकूल होती है।मैं स्पष्ट कर दूं, ऑस्ट्रेलिया नियति या भाग्य के कारण नहीं जीता। फाइनल में वे सामरिक रूप से उत्कृष्ट थे। मैंने फ़ाइनल में उनके प्रदर्शन को अत्यंत आकर्षण के साथ देखा।

इयान बेल मेलबर्न रेनेगेड्स में सहायक कोच के रूप में शामिल हुए

मेलबर्न, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान बेल आगामी बिग बैश लीग सीजन 13 (बीबीएल) के लिए सहायक कोच के रूप में मेलबर्न रेनेगेड्स में शामिल हो गए हैं, फ्रेंचाइजी क्रिकेट क्लब ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। बेल डेविड सेकर के कोचिंग ग्रुप में ढेर सारा अनुभव लेकर आए हैं, जिसमें एक दशक से अधिक के प्रतिष्ठित करियर में उन्होंने इंग्लैंड के साथ सभी प्रारूपों में 287 मैच खेले हैं। 2020 के अंत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद, बेल ने इंग्लैंड अंडर-19, द हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स और अबू धाबी टी10 लीग में चेन्नई ब्रेव्स के साथ कोच के रूप में अपनी कला का प्रदर्शन किया है।हाल ही में, बेल 2023 वनडे विश्व कप से पहले इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड में शामिल हुए। मेलबर्न रेनेगेड्स के महाप्रबंधक, जेम्स रोसेनगार्टन ने कहा कि बेल की नियुक्ति क्लब के लिए एक बड़ा तख्तापलट है। हम रेनेगेड्स में बेल जैसी क्षमता वाले किसी खिलाड़ी को पाकर रोमांचित हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर उनका अनुभव खुद बोलता है; वह नई आवाज और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं जो बिग बैश में सफल होने के लिए हर क्लब को चाहिए। वह बिल्कुल फिट होंगे। और हम इसके लिए इंतजार नहीं कर सकते कि वह बीबीएल713 में क्या लाने जा रहा है। 41 वर्षीय खिलाड़ी पांच सीज़न बाद होबार्ट हरिकेंस में सहायक कोच के रूप में लौटने से पहले 2016-17 बीबीएल चैंपियन पर्थ स्कॉर्चर्स का भी हिस्सा थे। बेल के पुराने एशेज प्रतिद्वंद्वी पीटर सिडल और नाथन लियोन रेनेगेड्स के पहले से ही अनुभवी रोस्टर में शामिल हो गए हैं, जिसमें आरोन फिंच, शॉन मार्श और केन रिचर्डसन भी शामिल हैं, जिसका अर्थ है कि बेल को कई परिचित चेहरों से निपटना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसा हो मधुमेह के रोगी का आहार

मधुमेह के रोगी का आहार केवल पेट भरने के लिए ही नहीं होता, उसके शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा को संतुलित रखने में सहायक होता है। चूंकि यह रोग मनुष्य के साथ जीवन भर रहता है इसलिए जरूरी है कि वह अपने खानपान पर हमेशा ध्यान रखे। आमतौर मरीज ब्लडशुगर की नार्मल रिपोर्ट आते ही लापरवाह हो जाता है। मधुमेह के मरीज के मुंह में गया हर कौर उसके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसलिए जो भी खाएं सोच समझकर खाएं।

इन्सुलिन हार्मोन के स्रावण में कमी से डायबिटीज रोग होता है। डायबिटीज आनुवांशिक या उम्र बढ़ने पर या मोटापे के कारण या तनाव के कारण हो सकता है। डायबिटीज ऐसा रोग है जिसमें व्यक्ति को काफी परहेज से रहना होता है। बदपरहेजी करने के दूरगामी परिणाम बुरे होते है। मधुमेह के रोगी को आंखों व किडनी के रोग, सुन्नपन आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए सदैव यही प्रयत्न करना चाहिए कि ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए। सही समय पर दवाई या इंसुलिन लेना चाहिए। डायबिटिक व्यक्ति को अपने वजन व लंबाई के अनुसार प्रस्तावित कैलोरीज से 5 प्रश कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति की लंबाई 5 फुट 4 इंच है तो उसका आदर्श वजन 55 किग्रा होना चाहिए। व्यक्ति की क्रियाशीलता यदि कम है, जैसे कि वह बैठे-बैठे कार्य करता है तो उसे 2400 कैलोरी लेना चाहिए। डायबिटिक हो तो इसका 5 प्रश कम अर्थात 2280 कैलोरी आहार उसके लिए सही रहेगा। यदि वह मोटा हो तो उसे 200-300 कैलोरी और घटा देना चाहिए। ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए।

सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में कुल कैलोरी का 40 प्रश कार्बोहाइड्रेटयुक्त पदार्थों से, 40 प्रश फेट (वसा) युक्त पदार्थों से व 20 प्रश प्रोटीनयुक्त पदार्थों से लेना चाहिए। एक वयस्क अधिक वजनी डायबिटिक व्यक्ति को 60 प्रश कार्बोहाइड्रेट से, 20 प्रश फेट से व 20 प्रश प्रोटीन से कैलोरी लेना चाहिए।

डायबिटिक व्यक्ति को प्रोटीन अच्छी मात्रा में व उच्च गुणवत्ता वाला लेना चाहिए जैसे दूध, दही, पनीर, अंडा, मछली, सोयाबीन आदि का सेवन करना चाहिए। इंसुलिन ले रहे डायबिटिक व्यक्ति एवं गोलियाँ ले रहे डायबिटिक व्यक्ति को खाना सही समय पर लेना चाहिए। ऐसा न करनेपर हायपोग्लाइसीमिया हो सकता है, जिसके लक्षण निम्न हैं- (1) कमजोरी लगना, (2) अत्यधिक भूख लगना, (3) पसीना आना, (4) नजर से धुंधला या डबल दिखना, (5) हृदयगति तेज होना, (6) झटके आना एवं गंभीर स्थिति होने पर कोमा भी हो सकता है।

इसलिए डायबिटिक व्यक्ति को हमेशा अपने साथ कोई मीठी चीज जैसे ग्लूकोज, शकर, चॉकलेट, मीठे बिस्किट में से कुछ रखना चाहिए एवं ऐसे लक्षण होने पर तुरंत इनका सेवन करना चाहिए। एक सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए कि वे थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाते रहें। दो या ढाई घंटे में कुछ खाएँ। एक समय पर बहुत सारा खाना न खाएं।

तले हुए पदार्थ, मिठाइयां, बेकरी के पदार्थों से परहेज करें। दूध सदैव डबल टोन्ड (स्किम्ड मिल्क) का प्रयोग करें। कम कैलोरीयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें जैसे भुना चना छिलके वाला, परमल, अंकुरित अनाज, सूप, सलाद आदि का ज्यादा सेवन करें। दही (स्किम्ड मिल्क) से बनाया हुआ ले सकते हैं। छाछ का सेवन श्रेयस्कर होता है। मैथीदाना (दरदरा पिसा हुआ) 1/2-1 चम्मच खाना खाने के 15-20 मिनट पहले लेने से शुगर कंट्रोल में रहती है व फायदा होता है। रोटी के आटे को बिना चोकर निकाले प्रयोग में लाएं व इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इसमें सोयाबीन मिला सकते हैं।

घी व तेल का सेवन दिनभर में 20 ग्राम (4 चम्मच) से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अत: सभी सब्जियों को कम से कम तेल का प्रयोग करके नॉनस्टिक कुकवेयर में पकाना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां खाना चाहिए। अपनी कैलोरीज का निर्धारण कुशल डायटिशियन से बनाकर उसके अनुसार चलें तो अवश्य ही लाभ होगा व भोजन में विकल्प ज्यादा मिल सकते हैं जिससे आपका भोजन वैरायटी वाला हो सकता है व बोरियत नहीं होगी।

हल्दी सिर्फ चेहरे के लिए ही नहीं ब्लकि स्वास्थ्य के लिए भी है लाभदायक

- हल्दी को मलाई और शहद में मिलाकर चेहरे पर लगाने से सांवले रंग में निखार आता है।
- किसी अंग पर बाहरी चोट लगी हो और खून जम गया हो, दर्द भी होता हो या मोच आ गई हो तो उस स्थान पर हल्दी में चूना मिला कर हल्का गर्म कर लेप लगाएं। सूजन और दर्द में लाभ मिलेगा।
- शरीर पर चाकू लगने से खून बंद न हो तो कटे स्थान पर हल्दी लगा कर दबा दें। खून बहना बंद हो जाएगा।
- अगर पेट में कीड़े हों तो कच्ची हल्दी के रस के साथ शहद मिला कर 10 दिन तक लगातार लेते रहें।
- खांसी, जुकाम व नाक बहने पर कच्ची हल्दी थोड़े से उबले दूध में मिला कर रात्रि में सोने से पूर्व गर्म दूध पी लें। 3-4 दिन लगातार पीने से लाभ मिलेगा। वैसे सर्दी के मौसम में आप स्वस्थ भी हैं तो सप्ताह में एक बार गर्म हल्दी वाला दूध पीते रहें। हल्दी की मात्रा बहुत कम लें।
- शरीर में कमजोरी महसूस होने पर सूखी हल्दी का चूर्ण, शहद, गर्म दूध में मिला कर कुछ दिन तक लगातार पीते रहने से कमजोरी दूर होती है। दूध में हल्दी थोड़ी मात्रा में डालें।
- सब्जियों में हल्दी अवश्य डालें ताकि आंतरिक गड़बड़ी और पाचन तंत्र ठीक बना रहे।
- हल्दी में कैंसर विरोधी तत्व भी पाए जाते हैं इसलिए इसका सेवन नियमित करते रहें।

विटामिन डी की कमी से हो सकते है कई रोग

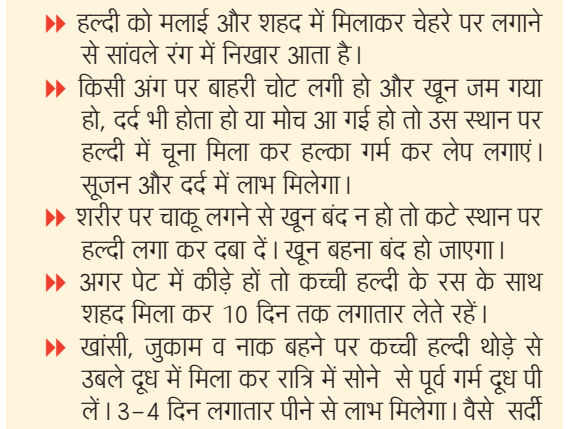

भारत में रहने वाले 80 फीसदी जनसंख्या विटामिन डी की कमी से पीड़ित है इस कारण लोगों को कई रोगों का शिकार होना पड़ता है। मधुमेह, हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा सबसे अधिक रहता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शरीर में विटामिन डी की कमी होने के कोई लक्षण नहीं होते ब्लकि ऐसे लोगों को कई बीमारियों का शिकार होना पड़ता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक एम सी मिश्रा ने कहा है कि भारत के लोग इस बात को भूल जाते हैं कि विटामिन डी की कमी से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं जैसे मधुमेह, हृदय रोग यहां तक कि कैंसर तक हो सकता है।

लंबी आयु पाते हैं मेधावी बच्चे

ब्रिटिश मैडीकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार मेधावी लोग अधिक आयु जीते हैं। इस शोध में विशेषज्ञों ने सन् 1932 में 2792 बच्चों को, जिनकी उम्र 11 वर्ष थी, का आई.क्यू. टैस्ट लिया। फिर 1997 में विशेषज्ञों ने इस बात की जांच की कि इनमें से कौन-कौन जीवित है और उन्होंने पाया कि जिन बच्चों ने 1932 में अधिकतम आई.क्यू. स्कोर पाया था वे साठ साल बाद भी जीवित थे। यही नहीं, विशेषज्ञों ने इन्हीं में से 100 ऐसे बच्चों के आई.क्यू. स्कोर एकत्र किए जो सामान्य थे। जिनका स्कोर 102 पाया गया, वे 76 साल के बाद भी जीवित थे जबकि जिनका 97.7 था, वे 1997 तक ही जीवित रहे।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रोफैसर लारेंस वेले जो इस शोध के प्रमुख थे, उनके अनुसार उनके द्वारा एकत्र किए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि बचपन में जिन बच्चों की मानसिक क्षमता अधिक होती है उनके लंबी आयु जीने की संभावना अधिक होती है।

पथरी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है सेब

आयुर्वेद के अनुसार सेब पित्तनाशक, वातनाशक, शीतल, पुष्टिकारक व हृदय के लिए फायदेमंद, वीर्यवर्धक तथा गुर्दों को साफ करने वाला फल है।इसमें सर्वाधिक मात्रा में फास्फोरस होता है।इसमें आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम, शर्करा तथा बी समूह के विटामिन भी पर्याप्त मात्रा में होते हैं।

- यह हृदय रोग में बहुत लाभकारी है।दिल कमजोर हो या दिल की धड़कन कम या ज्यादा हो तो चांदी का वर्क लगाकर सेब के मुरब्बे का सेवन करना चाहिए। इससे मोटापा भी दूर होता है।
- पथरी रोगी के लिए सेब बहुत फायदेमंद है।रोगी को पूर्णतः पके हुए चार-पांच सेब प्रतिदिन खाने को देने चाहिएं।
- जिगर के रोगी के लिए तो सेब अमृत के समान है।मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने के लिए सेब एक अचूक इलाज है।
- जिन लोगों की दृष्टि कमजोर है उन्हें एक ताजा सेब की पुल्टिस कुछ दिनों तक आंखों पर बांधनी चाहिए। यदि भोजन के साथ प्रतिदिन ताजा मक्खन तथा मीठा सेब खाएं तो नेत्र ज्योति तो तेज होती है, साथ ही दस्त व पेशाब खुल कर आता है तथा चेहरा सुर्ख हो जाता है।
- बुखार में रोगी को प्यास, जलन, थकान तथा बेचैनी हो तो सेब की चाय या ताजा सेब का रस पिलाना चाहिए। इससे रोगी को तुरन्त आराम मिलता है।
- गले में घाव, छाले हों या किसी भी चीज को निगलने में कष्ट होता हो तो अच्छे ताजे सेब का रस निकालें, फिर चम्मच से धीरे-धीरे रस गले तक ले जाएं और कुछ समय के लिए गले में रोक कर रखें। इससे आश्चर्यजनक लाभ होता है।
- पेट में गैस की शिकायत रहती हो तो एक मीठे सेब में लगभग 10 ग्राम लौंग चुभाकर रख दें। दस दिन बाद लौंग निकालकर तीन लौंग तथा एक मीठा सेब नियमित रूप से खाएं। इस दौरान चावल या उससे बनी चीजें रोगी को खाने को न दें।
- पेट के कीड़ों के निदान के लिए रोगी को प्रतिदिन दो मीठे सेब दें या प्रतिदिन एक गिलास ताजा सेब का रस दें।
- कब्ज दूर करने के लिए प्रतिदिन सुबह उठ कर खाली पेट दो सेब चबा-चबा कर खाएं।

हेयर फॉल दूर करने में मेथी है रामबाण

मेथी का इस्तेमाल आपने अपने किचन में तो खूब किया होगा। मार्केट में आसानी से उपलब्ध हो जाने से लोग इसके फायदों से अनजान हैं, लेकिन क्या आपको पता है मेथी के ये दाने कितने फायदेमंद हैं। ये बालों की डैंड्रफ को तो दूर करता ही है साथ ही ये चेहरे के लिए, पेट के लिए और यहां तक कि पथरी की बीमारी में भी काफी फायदेमंद है। आइए आज हम आपको मेथी के फायदों के बारे में बताते हैं।

डैंड्रफ भी हो जाएगी दूर

डैंड्रफ होना बालों की एक आम समस्या है। यह सिर की त्वचा रूखी-सूखी होने और डेड स्किन सेल्स की वजह से होती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए आपने अब तक कई एंटी-डैंड्रफ शैंपू का इस्तेमाल कर लिया है लेकिन फिर भी यह समस्या नहीं जा रही है तो हम आपको इसका घरेलू उपाय बता रहे हैं। बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए मेथी दाने बहुत असरदार होते हैं। इसके लिए मेथी के दानों को मुलायम होने के लिए रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इसको पीसकर पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इसमें दही मिलाकर पेस्ट को स्कैल्प और बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं, साथ ही मसाज भी करें। अब इसे 30 मिनट बाद धो लें।

बाल होते हैं मजबूत

मेथी के दाने बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और डैमेज्ड हेयर को पुनर्जीवित करते हैं। इसमें प्रोटीन होता है, इसलिए मेथी दानों को अपनी डाइट में शामिल करने से बाल हेल्दी और खूबसूरत बनेंगे। इसके लिए भीगी हुई मेथी के पेस्ट में एक या दो बड़ा चम्मच नारियल तेल या जैतून के तेल को मिलाकर बालों में लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धो लें।

पाचन में फायदेमंद

मेथी के दानों के सेवन से पेट दर्द और जलन दूर होती है। साथ ही पाचन क्रिया भी दुरुस्त होती है। पाचन संबंधी समस्या को दूर करने के लिए मेथी दानों के पेस्ट में कसी हुई अदरक मिलाएं और खाने से पहले एक बड़ा चम्मच इस पेस्ट को खाएं। इससे पेट से संबंधित रोग दूर होंगे।

डायबीटीज भी करती है कंट्रोल

मेथी के दानों से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है। इसमें मौजूद एमीनो एसिड तत्व पैनक्रियाज में इंसुलिन के स्राव को बढ़ाता है जो शरीर से ब्लड शुगर लेवल कम करता है। स्टडी के अनुसार डायबीटीज के रोगियों द्वारा मेथी दानों के सेवन से फायदा होता है। इसके लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसे छानकर इसका पानी पिएं। ऐसा करीब दो महीने तक लगाकर करने से डायबीटीज में काफी हद तक आराम मिलेगा।

किडनी के लिए फायदेमंद

मेथी के सेवन से किडनी भी स्वस्थ होती है। पथरी के इलाज में मेथी फायदा करती है। इस जादुई औषधि से पथरी पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकल जाती है। मेथी के दानों को एक छोटे चम्मच नींबू के रस और शहद के साथ खाने से बुखार में काफी हद तक आराम मिलता है।

पिंपल्स भी हो जाएंगे दूर

मेथी दाने पिंपल्स और ब्लैकहेड ट्रीटमेंट के लिए फायदेमंद है। इसके लिए मेथी के दानों को पीस कर पेस्ट बना लें और इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। अब इसे मिक्सचर को रात में सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस उपाय को लगातार करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

वजन कम करने में उपयोगी

मेथी के दानों में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। खाली पेट मेथी दानों को चबाने से एक्सट्रा कैलरी बर्न होती है। इसका दूसरा उपाय है कि सुबह दो गिलास मेथी का पानी पिएं। मेथी का पानी बनाने क लिए एक बड़ा चम्मच मेथी के दानों को दो गिलास पानी में रातभर भिगो दें और सुबह इसे छानकर पी लें।

अमेरिका-कनाडा ब्रिज पर हुआ कार में विस्फोट, दो की मौके पर ही मौत

टोरंटो। अमेरिका-कनाडा को जोड़ने वाले ब्रिज पर कार में विस्फोट हुआ है, इस विस्फोट में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक विस्फोट के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने क्षेत्र में चार अमेरिका-कनाडा बॉर्डर क्रॉसिंग को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट में मरने वालों की राष्ट्रीयता अभी तक साफ नहीं हो सकी है। ब्रिज पर वाहन में विस्फोट होने के साथ ही दोनों देशों के बीच आवागमन स्थगित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क के नियाग्रा फॉल्स के पास वाहन में विस्फोट के बाद रेनबो ब्रिज को बंद करना पड़ा। फिलहाल एफबीआई आतंकवादी हमले के एंगल से इस मामले की जांच कर रही है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एक बयान में कहा कि स्थिति बहुत अस्थिर है। एफबीआई इस जांच में स्थानीय, राज्य और संघीय एजेंसियों का साथ ले रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विस्फोट के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने क्षेत्र में चार अमेरिका-कनाडा बॉर्डर क्रॉसिंग को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट में मरने वालों की राष्ट्रीयता अभी तक साफ नहीं हो सकी है। इस संबंध में अमेरिका के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कार अमेरिका की ओर से आ रही थी। बॉर्डर क्रॉसिंग पर सीमा शुल्क स्टेशन से टकराने के बाद वाहन में भयंकर विस्फोट हो गया। यह विस्फोट रेनबो ब्रिज के अमेरिकी हिस्से पर हुआ, जो नियाग्रा नदी पर बना है और दोनों देशों को जोड़ता है। इस घटना के बाद एहतियात के तौर पर पश्चिमी न्यूयॉर्क और ओंटारियो के बीच तीन अन्य ब्रिज को तुरंत बंद कर दिया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बफेलो-नियाग्रा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सभी कारों की जांच शुरू कर दी और यात्रियों से जांच में सहयोग करने की अपील की गई है। दुर्घटना के साक्षी स्थानीय लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर विस्फोट की तस्वीरें और वीडियो साझा किए गए हैं। जिसमें फुटपाथ पर घना धुआं और आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। एक चश्मदीद ने कहा कि कार में विस्फोट के बाद 30 या 40 फीट ऊंचा आग का गोला ऊपर बन गया था। उन्होंने कभी ऐसा दृश्य नहीं देखा। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि वह और उसका दोस्त ब्रिज के पास थे और उन्होंने कुछ टूटने की आवाज सुनी। इसके बाद आग और काला धुआं आसमान में उठता दिखाई दिया।

अब रहस्यमयी निमोनिया के प्रकोप से जूझ रहा चीन, स्कूल बंद

बीजिंग। कोरोना के प्रकोप से चीन पूरी तरह उबरा भी नहीं था कि रहस्यमयी निमोनिया का प्रकोप फैल गया है। जिसके कारण चीन पर बड़ा खतरा मंडराने लगा है। बढ़ते बीमारी के प्रकोप के कारण यहां स्कूल कालेज बंद कर दिए गए है। चीन सरकार ने अलर्ट जारी कर दिया है। कोरोना महामारी के प्रभाव से जूझ रहे चीन में अब नई बीमारी ने व्यापक स्तर पर दस्तक दे दी है। चीन के स्कूलों में एक और बीमारी पूरे देश में तेजी से फैल रही है। यहां के स्कूलों में रहस्यमयी निमोनिया का प्रकोप बढ़ रहा है, यह चिंताजनक स्थिति कोविड संकट के शुरुआती दिनों की याद दिला रही है। 500 मील उत्तर-पूर्व में बीजिंग और लियाओनिंग के अस्पतालों में बड़ी संख्या में बच्चे भर्ती हो रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस रहस्यमयी निमोनिया के प्रकोप के चलते ज्यादातर स्कूल बंद हैं।इस रहस्यमयी निमोनिया से प्रभावित बच्चों के फेफड़ों में सूजन और तेज बुखार सहित असामान्य लक्षण नजर आ रहे हैं। हालांकि उन बच्चों में खांसी और फ्लू, आरएसवी और सांस की बीमारी से संबंधित अन्य दूसरे लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। ओपन-एक्सेस सर्विलांस प्लेटफॉर्म प्रोमेड ने मंगलवार को खासतौर से बच्चों को प्रभावित करने वाली बिना डायग्नोज हुए निमोनिया की उभरती महामारी के बारे में चेतावनी जारी की है। प्रोमेड ने कहा, 'यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि यह प्रकोप कब शुरू हुआ, क्योंकि इतने सारे बच्चों का जल्दी प्रभावित होना सामान्य बात नहीं है।' इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी कि क्या यह एक और महामारी हो सकती है। लेकिन हमें अभी भी सावधानी बरतनी चाहिए। ताइवानी आउटलेट एफटीवी न्यूज ने बताया कि नए प्रकोप के चलते अस्पतालों में बीमार बच्चों की बहुत अधिक संख्या है। इसमें कहा गया है कि 'माता-पिता ने सवाल किया कि क्या अधिकारी महामारी को छुपा रहे थे।' लेकिन संदेह है कि नया प्रकोप माइकोप्लाज्मा निमोनिया से संबंधित हो सकता है, जिसे वॉकिंग निमोनिया के रूप में भी जाना जाता है, जो कथित तौर पर चीन में बढ़ रहा है।

हॉलीवुड अभिनेता फॉक्स पर फिर लगा यौन उत्पीड़न का आरोप

लंदन। हॉलीवुड अभिनेता जेमी फॉक्स नई मुसीबत में फंस चुके हैं। दरअसल, अभिनेता के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में अदालत में जानकारी दाखिल की गई। ऑस्कर विजेता जेमी फॉक्स पर कथित तौर पर 2015 में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। महिला ने अभिनेता के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अदालती दस्तावेजों में महिला की पहचान नहीं जाहिर की गई है।

कथित तौर पर महिला ने आरोप लगाया कि फॉक्स ने अगस्त 2015 में न्यूयॉर्क शहर में कैच रेस्तरां की छत पर उनके साथ मारपीट की। फॉक्स ने उन्हें एकांत में कोने में ले जाने के बाद जानबूझकर उनकी अनुमति के बिना उनके निजी अंग को छुआ और उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मुकदमे में कहा गया है कि एक सुरक्षा गार्ड ने छेड़छाड़ होते देखी, लेकिन गार्ड ने हस्तक्षेप नहीं किया। जब महिला की दोस्त ने देखा तब वह उन्हें बचाने के लिए आई और फॉक्स वहां से चले गए। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि हमले के बाद महिला को इलाज के लिए अस्पताल भी जाना पड़ा। महिला ने दर्द, पीड़ा, भावनात्मक संकट, चिंता और अपमान के लिए मुआवजे की मांग की है। यह पहली बार नहीं है, जब जेमी फॉक्स पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। 2018 में मीटू मूवमेंट के दौरान एक महिला ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। यह घटना 2002 में हुई थी, जब एक महिला ने दावा किया था कि वह भी यौन उत्पीड़न की शिकार हुई थीं। हालांकि, अभिनेता ने इन आरोपों से इंकार किया था।

गाजा में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या 14,500 से अधिक हुई

गाजा। गाजा पट्टी में सात अक्टूबर से जारी युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या 14,500 से अधिक हो गई है। गाजा के सूचना केंद्र ने कहा, मरने वालों की संख्या 14,532 तक पहुंच गई है। इसमें 6,000 बच्चे शामिल हैं। वहीं इस दौरान हुए हमलों में 35,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इज़रायल और हमास ने बुधवार को लड़ाई में चार दिवसीय मानवीय विराम पर सहमति व्यक्त की। इसके गुरुवार सुबह से प्रभावी होने की उम्मीद है। अस्थायी संघर्ष विराम के हिस्से के रूप में, इज़रायल 150 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। बदले में हमास 50 इजरायली बंधकों को छोड़ेगा।

स्पेन में ट्रेड यूनियनों की हड़ताल, हजारों ट्रेनें रद्द

मैड्रिड। स्पेन में ट्रेड यूनियनों के हड़ताल के आह्वान के मद्देनजर राष्ट्रीय रेल नेटवर्क रेनफे ने 1,548 मध्यम और लंबी दूरी की ट्रेनों को रद्द किया है। श्रमिकों के अधिकारों की गारंटी की मांग को लेकर स्थानीय ट्रेड यूनियनों ने 24 और 30 नवंबर तथा 01, 04 और 05 दिसंबर को हड़ताल का आह्वान किया है। हड़ताल में 15,000 श्रमिकों के शामिल होने की उम्मीद है। रेनफे ने ट्रेनों के रद्द किये जाने से प्रभावित यात्रियों को यथासंभव शेड्यूल पर रहने वाली अन्य ट्रेनों के लिए अपने टिकटों का आदान-प्रदान करने की पेशकश की है। यात्री अपना टिकट निःशुल्क रद्द या दूसरी तारीख के लिए बदल भी सकेंगे। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने मंगलवार को अपना पदभार संभाला है।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागी : दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागी है, जो संभवतः अपने लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रही। दक्षिण कोरिया के 'जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से वह मिसाइल दागी गई। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया की मिसाइल संभवतः लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रही। इससे एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने एक खुफिया मिसाइल दागी थी।

इजरायली हमलों में मारे गए फिलिस्तीनियों के शवों को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में दफनाने के लिए गाजा शहर के अल शिफा अस्पताल से ले जाने के बाद एक सामूहिक कब्र में दफनाया गया।

चीन की रहस्यमयी बीमारी के बारे में डब्ल्यूएचओ ने मांगी जानकारी

वाशिंगटन। चीन के द्वारा बताया गया था कि उनके यहां ज्यादातर बच्चों में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी फैल रही है। इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)ने बीजिंग से रहस्यमयी बीमारी के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी देने को कहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वक्त में चीन के ज्यादातर अस्पतालों में इस बीमारी से पीड़ित बच्चों का इलाज हो रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनों चीन से यह खबर आई थी कि चीन में बच्चों में एक अलग तरह की बीमारी हो रही है। इसमें कहा गया कि बच्चे एक रहस्यमयी निमोनिया जैसी बीमारी की वजह से इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने इस बीमारी के लिए कोविड-19 प्रतिबंध में ढील देने को जिम्मेदार ठहराया और इसकी ज्यादा से ज्यादा जानकारी देने को कहा है। चीन का कहना है कि उनके यहां ज्यादातर बच्चों में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी फैली है। इसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीजिंग से इस रहस्यमयी बीमारी के बारे में ज्यादा जानकारी मांगी है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के चीनी अधिकारियों ने 12 नवंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांस संबंधी बीमारियों में इजाफे की जानकारी दी थी। डब्ल्यूएचओ ने बीमार हुए बच्चों में इन्फ्लूएंजा, एसएआरएस-सीओवी-2, माइकोप्लाज्मा निमोनिया को लेकर अतिरिक्त जानकारी मांगी है। चिंता जाहिर की जा रही है कि चीन में बच्चों के बीमार होने की हालिया घटनाएं कोविड जैसे लक्षणों को दोहराती दिख रही हैं।

बाल-बाल बचा खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू

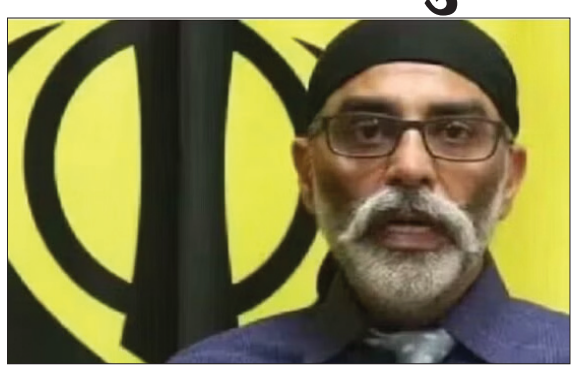

वाशिंगटन (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की एक बार फिर जान बच गई है। अमेरिकी अधिकारी इन इस मामले में जानकारी देते हुए कहा है कि पन्नू को देश की धरती पर मारने की एक साजिश को नाकाम कर दिया है। इस मामले से संबंधित एक अमेरिकी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने इस संबंध में नई दिल्ली के समक्ष चिंता जताई है कि संभवतः भारत सरकार को इस साजिश की जानकारी हो सकती है। यह अधिकारी इस संवेदनशील मामले पर टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नहीं है। अधिकारी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिकी अधिकारियों को साजिश के बारे में कब और कैसे पता चला तथा साथ ही कथित हत्या के प्रयास को कैसे विफल किया गया। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) इस मामले की जांच कर रही है।

एफबीआई और न्याय विभाग के प्रवक्ताओं ने बुधवार को इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हत्या की इस साजिश को विफल करने की जानकारी मीडिया में आई, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने कथित साजिश के बारे में अपने कुछ सहयोगियों को सूचित किया है। उप्रेस से बात करने वाले अधिकारी ने कहा कि इस साजिश को लेकर अमेरिकी अधिकारियों ने भारत सरकार के उच्चतम स्तर पर चिंता जताई है और नई दिल्ली में अधिकारियों ने संकेत दिया कि वे मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने एक बयान में कहा, 'हम इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से ले रहे हैं, और इसे अमेरिकी सरकार ने भारत सरकार के समक्ष उठाया है। हमारे भारतीय समकक्षों ने इसे लेकर आश्चर्य और चिंता व्यक्त की है।'

खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू का जन्म अमृतसर जिले के खानकोट गांव में हुआ है। उसके पिता पंजाब स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड में कर्मचारी थे। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से लॉ डिग्री हासिल करने वाला पन्नू, सिख फॉर जस्टिस का कानूनी प्रवक्ता और प्रवक्ता भी है। कनाडा के अलावा उसके पास अमेरिका की नागरिकता भी है। भारत छोड़कर विदेश जाने वाले पन्नू ने वहां कुछ समय बतौर ड्राइवर काम किया और फिर वकालत शुरू कर दी। उसके हिंसक इरादों को इस बात से ही समझा जा सकता है कि जुलाई 2023 में एक वीडियो जारी करके उसने उत्तरी अमेरिका और यूरोप में भारतीय राजनयिकों की हत्या के आह्वान वाले पोस्टरों की ज़िम्मेदारी ली थी। भारत सरकार ने साल 2020 में पन्नू को आतंकी घोषित कर दिया था और उसकी कृषि भूमि को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत कुर्क कर लिया था।

बराक ओबामा के पूर्व सलाहकार का इस्लामोफोबिक कमेंट

वॉशिंगटन। बराक ओबामा के पूर्व प्रशासनिक सलाहकार स्टुअर्ट सेल्डोवित्ज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें न्यूयॉर्क में एक दुकानदार को इस्लामोफोबिक गाली देते हुए देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वह दुकानदार को आतंकवादी कह रहे हैं, साथ ही उन्होंने फिलिस्तीन विरोधी टिप्पणी भी की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वायरल वीडियो में सेल्डोवित्ज को न्यूयॉर्क शहर के एक दुकानदार को परेशान करते हुए, उस पर फिलिस्तीन विरोधी टिप्पणी और गाली-गलौज करते देखा गया। सेल्डोवित्ज ने यह भी कहा कि 4,000 फिलिस्तीनी बच्चों का मरना पर्याप्त नहीं है। फुटेज को कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक छात्र द्वारा एक्स पर साझा किया गया था। तब से सेल्डोवित्ज द्वारा इसी तरह की टिप्पणी करने का दूसरा वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। कथित तौर पर सेल्डोवित्ज ने अपने गोथम सरकार रिलेशंस बायो के अनुसार ओबामा प्रशासन के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद दक्षिण एशिया निदेशालय के लिए कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य किया।

शुक्रवार तक नहीं होगा युद्धविराम, हमास से समझौते के बाद इजरायल का एलान

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास से समझौते के तहत शुक्रवार तक युद्धविराम नहीं होगा। यह बात इजरायल ने कही है। हालांकि समझौते को मंजूरी दे दी गई है, लेकिन शुक्रवार को बंदियों की रिहाई के दौरान ही युद्धविराम होगा।

बता दें कि हमास द्वारा रिहा किए जाने वाले बंधकों में बच्चे और महिलाएं होंगी। वहीं इजरायल द्वारा रिहा किए जाने वाले कैदियों में भी महिलाएं और 18 साल से कम के किशोर शामिल होंगे। इजराइल के अधिकारियों का कहना है कि हमास से समझौते के तहत शुक्रवार से पहले किसी बंधक की रिहाई नहीं होगी और शुक्रवार तक युद्धविराम भी नहीं होगा। हमास के साथ हुए समझौते को इजराइल की सरकार ने भी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जाची हानेगबी ने बुधवार को अपने एक बयान में कहा कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई शुक्रवार से पहले नहीं होगी। गौरतलब है कि इस्राइल हमास के बीच हुए समझौते के तहत गाजा में चार दिनों तक युद्धविराम होगा और इसके बदले में हमास इजराइल के कम से कम 50 बंधकों को रिहा करेगा।

वहीं बदले में इजराइल को कम से कम 150 फलस्तीनी कैदियों को भी रिहा करना पड़ेगा। इसके साथ ही इजराइल गाजा में मानवीय मदद भेजने की भी अनुमति मिलेगी। इजराइल हमास के बीच हुए समझौते के तहत इस्राइल जिन कुल 300 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, उनमें किशोर कैदी भी शामिल हैं। रिहा किए जा रहे कैदियों में एक कैदी 14 साल का अबुदा हसन गैत भी शामिल है। अबुदा हसन को मई में इजराइल के एक पुलिसकर्मी पर हमले और पथराव के आरोप में हिरासत में लिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइल द्वारा समझौते के तहत जिन 300 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा, उनमें 33 महिलाएं 123 किशोर (18 साल से कम वाले) और 144 18 साल से ज्यादा उम्र वाले युवक शामिल हैं।

भारत का चीन पर परोक्ष रूप से हमला

- खतरों के प्रति सतर्क रहने की दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने चीन पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पारदर्शी और न्यायसंगत वित्तपोषण पर काम करना चाहिए तथा अस्थिर वित्तपोषण के खतरों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो ऋण जाल के दुष्चक्र की ओर ले जाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में दूत आर मधुसूदन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखना = सामान्य विकास के माध्यम से स्थायी शांति को बढ़ावा देना नामक विषय पर आयोजित एक खुली बहस में कहा कि यदि संसाधनों की कमी बनी रही तो विकास एक दूर का सपना है। इसलिए भारत ने जी20 की अपनी मौजूदा अध्यक्षता सहित विभिन्न मंचों पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के सुधार की दिशा में काम किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 15 सदस्यीय समिति की यह बैठक चीन की इस महीने की अध्यक्षता में हुई। मधुसूदन ने आगे कहा कि जैसा कि बैठक के अवधारणा पत्र से पता चलता है। हमें पारदर्शी और न्यायसंगत वित्तपोषणर काम करना चाहिए और अस्थिर वित्तपोषण के खतरों के संबंध में सतर्क रहना चाहिए जो ऋण जाल के दुष्चक्र की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के तीन स्तंभों- शांति एवं सुरक्षा, विकास और मानवाधिकारों की परस्पर निर्भरता को शामिल किया जाना चाहिए।

इस्लाम विरोधी गीर्ट वाइल्डर्स बन सकते हैं नीदरलैंड के पीएम, एग्जिट पोल्स का अनुमान

हेग (एजेंसी)। एग्जिट पोल्स की मानें तो इस्लाम विरोधी गीर्ट वाइल्डर्स नीदरलैंड के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के अनुमान में वह भारी जीत की ओर बढ़ रहे हैं। जानकार बता रहे हैं कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार नीदरलैंड में इतना बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। इसका असर पूरे यूरोप पर देखने को मिलेगा। गौरतलब है कि नूपुर शर्मा की ओर से पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी पर जब दुनिया भर में बवाल मचा था तो नीदरलैंड से उन्हें समर्थन मिला था। उनका नीदरलैंड के सांसद गीर्ट वाइल्डर्स ने सपोर्ट किया था और कहा था कि मैं भारत से भी अपील करूंगा कि वह कट्टरपंथी मुसलमान देशों के दबाव में न आए। इस्लाम विरोधी और यूरोपियन यूनियन तक को बेकार बताने वाले गीर्ट वाइल्डर्स अब नीदरलैंड के पीएम भी बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि उनकी पार्टी देश के संसदीय चुनावों में बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। गौरतलब है कि उस समय गीर्ट वाइल्डर्स ने नूपुर शर्मा का बचाव करते हुए कहा था, यह हैरान करने वाली बात है कि अरब और इस्लामिक देश भारत की राजनेता नूपुर शर्मा के बयान पर भड़के हैं। उन्होंने पैगंबर के बारे में सही बोला था।

इतना ही नहीं एक और ट्वीट करते हुए गीर्ट ने भारत सरकार से डिफेंसिव मोड में न आने की अपील की थी। गीर्ट ने लिखा था कि तुष्टीकरण से कभी कोई फायदा नहीं होता। इससे चीजें खराब ही होती हैं। इसलिए भारत के मेरे दोस्तों इस्लामिक देशों के आगे दबाव में मत आओ। इसकी जगह नूपुर शर्मा की अभिव्यक्ति की आजादी के पक्ष में खड़े हो, जिसने पैगंबर मोहम्मद के बारे में सच बोला है। गीर्ट ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि भारत और नीदरलैंड जैसे देश लोकतांत्रिक हैं और अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करने वाले हैं। हमें मुसलमान देश ज्ञान नहीं दे सकते, जो कट्टरता से भरे हैं और वहां लोगों को किसी भी तरह की आजादी नहीं है।

नीदरलैंड के छोटे से कस्बे वीनलो में वाइल्डर्स का 1963 में जन्म हुआ था। उनके पिता एक प्रिंटिंग कंपनी में मैनेजर थे, जबकि मां हाउसवाइफ थीं।

रोमन कैथोलिक परिवार में पले-बढ़े गीर्ट वाइल्डर्स चर्च से जुड़े रहे हैं। ओपन यूनिवर्सिटी से लॉ और हेल्थ इंश्योरेंस के बारे में पढ़ने वाले गीर्ट वाइल्डर्स को उनके कट्टरपंथी विचारों के लिए जाना जाता है। इस्लामिक देशों की आलोचना करने वाले वाइल्डर्स की बीते कुछ सालों में तेजी से लोकप्रियता बढ़ी है। गीर्ट वाइल्डर्स को कई बार मौत की धमकियां भी मिलती रही हैं। वह इस्लाम के खिलाफ खुलकर बोलते रहे हैं। इसी के चलते वह अकसर कड़ी सुरक्षा में ही रहते हैं।

अमेरिका में रह रहे 64 लाख अवैध अप्रवासी, 725,000 भारतीय, रिसर्च में हुआ बड़ा खुलासा

लंदन (एजेंसी)। प्यू रिसर्च सेंटर ने पाया है कि अमेरिका में अवैध अप्रवासियों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी भारतीयों की है, जिनकी संख्या लगभग 725,000 है। सूची में अमेरिका के बाद मेक्सिको और अल साल्वाडोर हैं। शोध में यह भी पाया गया कि देश के 10.5 मिलियन अनधिकृत अप्रवासी अमेरिका की कुल आबादी का लगभग तीन प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। यह विदेश में जन्मी आबादी का 22 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है। शोध कहते है ÷मेक्सिको के अलावा अन्य देशों से अमेरिका में अनधिकृत अप्रवासियों की कुल संख्या तेजी से बढ़ी है। 2021 में, यह जनसंख्या 6.4 मिलियन थी, जो 2017 से 900,000 अधिक है।

इसमें कहा गया है, '2007 से 2021 तक दुनिया के लगभग हर क्षेत्र में अमेरिका में अनधिकृत अप्रवासियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सबसे बड़ी वृद्धि मध्य अमेरिका (240,000) और दक्षिण और पूर्वी एशिया (180,000) में हुई।'

अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के आंकड़ों से पता चलता है कि बड़ी संख्या में बिना दस्तावेज वाले भारतीय अप्रवासी पैदल ही अमेरिकी सीमा पार कर रहे हैं। अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच बिना दस्तावेजों के अमेरिका में प्रवेश करने पर कम से कम 6,917 भारतीयों को पकड़ा गया, निष्कासित किया गया या प्रवेश से वंचित कर दिया गया। कोविड-19 महामारी के कारण सीमाएं खुलने के बाद अमेरिका में बिना दस्तावेज वाले भारतीयों की संख्या काफी बढ़ गई। जहां 2021 वित्तीय वर्ष में 30,662 का सामना करना पड़ा, वहीं 2022 वित्तीय वर्ष में 63,927 का सामना करना पड़ा। इस वर्ष 97,000 मुठभेड़ों के साथ, 30,010 कनाडाई सीमा पर और 41,770 दक्षिणी सीमा पर थीं।

शोध में कहा गया है, 'कुल मिलाकर, 2021 में लगभग 7.8 मिलियन अनधिकृत अप्रवासी अमेरिकी श्रम बल में थे। यह 2019 से थोड़ा अधिक था लेकिन 2007 से 2015 तक हर साल की तुलना में कम था।'

कैलिफोर्निया, टेक्सास, फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और इलिनोइस ऐसे राज्य थे जहां अनधिकृत अप्रवासियों की संख्या सबसे अधिक थी। फ्लोरिडा और वाशिंगटन एकमात्र अमेरिकी राज्य थे जहां अनधिकृत आप्रवासी आबादी में वृद्धि देखी गई। जिन राज्यों में कमी देखी गई वे कैलिफोर्निया और नेवादा थे।

'इस बीच, वैध आप्रवासी आबादी 8 मिलियन से अधिक बढ़ गई, 29प्र. की वृद्धि, और प्राकृतिक रूप से अमेरिकी नागरिकों की संख्या में 49प्र. की वृद्धि हुई। 2021 में, देश के सभी अप्रवासियों में से लगभग आधे (49प्र.) प्राकृतिक नागरिक थे,' शोध कहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाल-बाल बचे 142 यात्री : टेकऑफ से पहले स्पाइस जैट के विमान में आई खराबी

- पटना-बेंगलुरु फ्लाइट की विंग्स होने लगी बंद

पटना । बुधवार को पटना एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां पटना से बेंगलुरु जा रही स्पाइस जैट के विमान एसजी-532 में टेकऑफ से पहले खराबी आ गई। उड़ान के रनवे पर जाने से पहले ही गड़बड़ी का अहसास हुआ, जिसके बाद तत्काल विमान को रोक दिया गया और पैंसेजर्स को उतार लिया गया। इस विमान में 142 यात्री सवार थे। पूरे विमान को खाली कराने के बाद उसकी जांच की गई और 5 घंटे बाद विमान ने उड़ान भरी। स्पाइस जेट के इस विमान को शाम 6 :40 पर उड़ान भरना था, लेकिन खराबी के चलते रात 11 बजे सभी यात्रियों ने बेंगलुरु के लिए उड़ान भरी। विमान के टेकऑफ से पहले विंग्स के मूवमेंट में दिक्कत आ रही थी इसलिए टेकऑफ कैंसिल करना पड़ा। इसके बाद उड़ान में सवार यात्रियों को उतार कर खराबी ठीक किया गया।

विश्व प्रदूषण में दिल्ली शीर्षस्थ

नई दिल्ली । दिवाली से पहले हुई बारिश से प्रदूषण में मिली राहत के बाद नई दिल्ली और दिल्ली एनसीआर निवासी बदतर होती वायु प्रदूषण से पीडित है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बताया की गुरुवार सुबह पांच बजे दिल्ली और दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता का स्तर 400 से ऊपर पाया गया। इसके साथ ही आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक 387, आरके पुरम में 416, पंजाबी बाग में 423 और आईटीओ में 344 पाया गया। मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में मौसम बदलाव की संभावना व्यक्त की है। बीते दिन बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 220 रहा, जो खराब श्रेणी में गिना जाता है। वहीं मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 279 पर रिकॉर्ड हुआ था। दिनांक 3 से 9 नवंबर के बीच छह दिन एक्यूआइ का लेवल 400 से अधिक रहा। दुनिया भर के लेवल पर देखें तो प्रदूषण के मामले में दिल्ली शहर शीर्ष स्थान पर है। विश्व के सबसे प्रदूषित 110 राष्ट्रों की लिस्ट में भारत देश के तीन शहर दिल्ली,कोलकाता और मुंबई है। स्विस फर्म आईक्यू एयर की लाइव रैंकिंग में राजधानी दिल्ली सबसे पहले नंबर पर है।

कार्तिक पूर्णिमा पर रात 1 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा सोमनाथ मंदिर

गिर सोमनाथ। जिले के प्रभास पाटन में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के सानिध्य में कार्तिक पूर्णिमा के मेला का शुभारंभ हो गया है। पांच दिन चलनेवाले इस मेले में आनेवाले श्रद्धालु रात 11 बजे तक भगवान सोमनाथ के दर्शन कर सकेंगे। जबकि कार्तिक पूर्णिमा को रात 1 बजे तक भगवान सोमनाथ का मंदिर दर्शनार्थियों के खुला रहेगा। दिवाली के बाद देव उठनी एकादशी के बाद देव देवाली तक गुजरात में कई जगह मेला का आयोजन किया जाता है। ऐसा ही एक मेला गिर सोमनाथ जिले के प्रभास पाटन में भगवान सोमनाथ के सानिध्य में लगता है। 1955 से आयोजित किए जा रहे सोमनाथ के पारंपरिक कार्तिक पूर्णिमा के मेला का गिर सोमनाथ जिले के कलेक्टर ने शुभारंभ कराया। कार्तिक पूर्णिमा के मेला में चतुदर्शी तक श्रद्धालु रात 11 बजे तक भगवान सोमनाथ के दर्शन कर सकेंगे। जबकि कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालु रात 1 बजे तक भगवान सोमनाथ के दर्शन कर सकेंगे। कार्तिक पूर्णिमा की रात भगवान सोमनाथ की महापूजा और महाआरती की जाएगी। माना जाता है कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के स्थापक चंद्रदेव कार्तिक पूर्णिमा की मध्य रात्रि को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग शिखर पर ऑआते हैं और अपना शीतल प्रकाश फैलाते हैं, जिसे अमृत वर्षा योग भी कहा जाता है। सोमनाथ का पारंपरिक कार्तिक पूर्णिमा के मेला प्रभास पाटन के त्रिवेणी संगम के निकट गोलोकधाम स्थित हेलिपेड ग्राउंड पर किया गया है। इस मेला में विभिन्न खाद्य स्टॉल, बच्चों के लिए खिलौने और 3डी प्रोजेक्टर शो/चंद्रयान-3, टोराटोरा, ब्रेकडांस जैसी सवारी सहित अन्य बिक्री स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र बने हैं। पांच दिनों तक चलने वाले मेले में इंडेक्स-सी सेक्शन के हस्तशिल्प और गृह उद्योग, जेल कैदियों के भजिया स्टाल, सेल्फी प्वाइंट, पंचदेव मंदिर, सोमनाथ एट 70 प्रदर्शनी, सूचना विभाग की स्टालों के साथ-साथ हर दिन प्रसिद्ध कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे

300 रुपये नहीं लौटाने पर नाबालिग को नंगा करके बेल्ट से पीटा, कराई परेड

ठाणे । महाराष्ट के सीएम एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे में एक नाबालिग की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार 300 रुपये का कर्ज नहीं चुकाने पर एक नाबालिग को जमकर प्रताड़ित किया गया। उसके कपड़े उतारकर नंगा किया गया और बेल्ट से पिटाई की गई। इतना ही नहीं दबंगो ने 17 साल के लड़के को नंगा करके घुमाया। यह घटना ठाणे के कलवा उपनगर में जामा मस्जिद के पास सार्वजनिक रूप से हुई। बताया जा रहा है कि तौसीफ खानबंदे और सामिल खानबंदे नाम के दो व्यक्ति पास के अन्नपूर्णा बिल्डिंग में नाबालिग लड़के के घर में घुस गए। दोनों ने नाबालिग पर ब्लूटूथ डिवाइस की चोरी का आरोप लगाया। इसके अलावा उन्होंने 300 रुपये उधारी वापस करने की मांग की। लड़के ने आरोपों से इनकार किया और पैसे देने से भी इनकार कर दिया, लेकिन वे अड़े रहे। दोनों लड़के उस नाबालिग को पास की मस्जिद की ओर ले गए। वहां उसकी पिटाई की गई जबकि सामिल ने पीछे से घटना का वीडियो बनाया। इसके बाद दोनों ने लड़के को पकड़ लिया और सार्वजनिक स्थान पर उसे पूरी तरह से नग्न कर दिया। इसके बाद मौका पाकर नाबालिग भागने में कामयाब रहा। बाद में, लड़के ने शिकायत दर्ज कराने के लिए कलवा पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया, लेकिन पुलिस ने मामले में केवल एक सामान्य एनसी (गैर-संज्ञेय) अपराध दर्ज किया। देर रात घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.बीनू वर्गीज का ध्यान इस ओर गया। कड़ी नाराजगी जताते हुए, उन्होंने वीडियो को ठाणे पुलिस के शीर्ष अधिकारियों को भेज दिया और अंतत : पुलिस उपायुक्त (जोन-।) गणेश एन. गावड़े के निर्देश पर तुरंत एफआईआर दर्ज की गई।

सबसे बड़ा शराब कांड जहां हुआ, वहीं फिर बीमार पड़ने लगे लोग

छपरा । बिहार में जिस जगह पर सबसे बड़ा शराब कांड हुआ, उसी जगह एक बार फिर लोग बीमार पड़ने लगे हैं। दरअसल छपरा जिले के मसरख में एक बार फिर बड़े शराब कांड की खबर आ रही है। साल 2022 के दिसंबर महीने में यहां शराब कांड में 38 लोगों की मौत हुई थी। सूत्रों के अनुसार इस कांड में करीब 80 लोगों की जान गयी थी। इसके बावजूद यहां शराब खरीद-बिक्री का सिलसिला नहीं थमा और इस बार फिर लखनपुर गांव में एक साथ दो लोगों के शराब पीकर बीमार होने का मामला सामने आया है। बीमार लोगों में सुरेंद्र राम को गंभीर हालत में पटना रेफर किया गया है, वहीं एक अन्य की हालत गंभीर देखते हुए मसरख प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से छपरा रेफर किया गया है। घटना के मध्य नजर प्रभावित इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हालांकि उत्पाद विभाग ने किसी अन्य मरीज के नहीं मिलने की बात कही है। दोनों मरीजों ने सिवान के सीमावर्ती इलाके में जाकर कहीं शराब का सेवन किया था। वहां से आने के बात दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी तब परिजन उन्हें स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां से उन्हें पटना रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग बीमार लोगों की हालत पर नजर बनाए हुए है। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलने के बाद उत्पाद विभाग की टीम इलाके में सर्वे कर रही है। लेकिन कहीं से किसी अन्य की बीमार होने की सूचना नहीं है। यहां गौरतलब है कि 2022 के दिसंबर महीने में मशरक और आसपास के इलाके में अचानक जहरीली शराब पीने से एक के बाद एक 38 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए शराब के धंधे से जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार किया था। लेकिन इसके बावजूद भी यह सिलसिला नहीं रुका। वहां शराब अभी भी बिक रही है जिसका सेवन कर लोग लगातार बीमार हो रहे हैं।

घुसपैठ की कोशिश में मारे गए 25 आतंकी, जबकि सालभर में 15 जवान हुए शहीद

जम्मू (ईएमएस)। सीमा पार से इस साल जम्मू के तीन जिलों से घुसपैठ की कोशिश करने वाले 25 आतंकवादी मारे गये जबकि 15 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए । इस दौरान 22 आम लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी । आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इन इलाकों में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश की जाती है। जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। बुधवार को शुरू हुई मुठभेड़ में जम्मू के राजोरी इलाके में दो सैन्य अधिकारी समेत सेना के चार कर्मी शामिल हैं, जो राजोरी जिले के बाजीमल इलाके में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान में अपनी जान गंवा बैठे।

'हलाल' उत्पादों के नाम पर बाजारों का हो रहा 'इस्लामिकरण', गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री से की यह बात

पटना (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 'हलाल-प्रमाणित' खाद्य उत्पादों पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध की प्रतिध्वनि करते हुए एक साहसिक कदम में, केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसका पालन करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर अपने मुखर रुख के लिए जाने जाने वाले सिंह का मानना है कि संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ऐसी वस्तुओं पर प्रतिबंध आवश्यक है। बिहार के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में, गिरिराज ने आरोप लगाया कि तेल, नमकीन, दवाएँ, मिठाई और सौंदर्य प्रसाधन जैसे हलाल-प्रमाणित खाद्य पदार्थों का व्यवसाय राज्य भर में अनियंत्रित रूप से फल-फूल रहा है, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन है।

मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि 'हलाल' उत्पादों के नाम पर देश के बाजारों का 'इस्लामिकरण' हो रहा है। जजिया टैक्स वसूला जा रहा है...इस पर जांच शुरू करने के लिए मैं योगी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं...मैंने बिहार के सीएम से कहा कि आपने विधानसभा में बहुत ज्ञान दे दिया, अब इस पर नियंत्रण लगाएं। सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को कुमार को लिखे एक पत्र की एक प्रति भी साझा की, जिसमें उन्होंने उनसे पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से सीख लेने का आग्रह किया है। एक वीडियो बयान में, सिंह ने यह भी कहा कि हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री जजिया कर के समान है जो मध्ययुगीन युग में गैर-मुसलमानों पर लगाया गया था।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की पिछली सरकारों ने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के तहत इसे लागू किया तथा टुकड़े-टुकड़े गैंग ने ऐसे उत्पादों को बिहार के हर कोने में उपलब्ध करा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा करके ऐसे लोग सनातन धर्म को खत्म करने पर तुले हुए हैं तथा हलाल उत्पाद की बेलगाम बिक्री शरिया शासन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री की पार्टी जदयू ने भाजपा पर पलटवार करते हुए उस पर 'बीफ' सेवन जैसे मामले में पाखंड करने का आरोप लगाया। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा, भाजपा सनातन धर्म की सबसे बड़ी संरक्षक होने का दावा करती है।

महुआ मोइत्रा की वजह से सभी सांसदों पर लॉगिन को लेकर बढ़ी सख्ती

नई दिल्ली । लोकसभा सचिवालय ने अब सभी सांसदों पर लॉगिन को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा रिश्वत लेकर सवाल पूछने का मामला इसकी मुख्य वजह बताया जा रहा है। यह सब लोकसभा में बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। कहा जा रहा है कि लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के लॉगिन आईडी को लेकर सख्त नियम जारी कर दिए हैं। अब सांसदों के सहायक और सचिव डिजिटल संसद का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। हालांकि, इसे लेकर सचिवालय की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सदन के पोर्टल और उसकी ऐप के पासवर्ड और ओटीपी साझा करने को लेकर सचिवालय सख्त हो गया है। कहा जा रहा है कि सचिवालय ने सांसदों के सचिवों और निजी सहायकों के लिए डिजिटल संसद पोर्टल और ऐप पर एक्सेस ब्लॉक कर दिया है। इसका मतलब है कि अब सांसद के अलावा कोई भी लॉगिन नहीं कर सकेगा।

इसकी सबसे खास बात है कि सचिवालय की इस कार्रवाई के बाद सांसदों को सवाल दाखिल करने, ईमेल देखने और बिल जमा करने लिए खुद ही लॉगिन करना होगा। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब दोनों सदनों का शीतकालीन सत्र शुरू होने में कुछ हफ्तों का समय ही बाकी है। फिलहाल, संसद सत्र की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। हालांकि 1 सितंबर से ही डिजिटल संसद का इस्तेमाल शुरू हो गया था। इसके तहत सदस्यों को सहायकों या सचिवों को उनका अकाउंट इस्तेमाल करने का अधिकार देने की अनुमति थी। सांसद अपने सहायकों या सचिवों का ईमेल आईडी, फोन नंबर देकर उन्हें अकाउंट का एक्सेस दे सकते थे।

जो संपत्तियां कुर्क कीं वे किसी व्यक्ति की नहीं, अखबार की हैं : खड़गे

-नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की कुर्की पर खड़गे बोले, कांग्रेस डरने वाली नहीं

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केन्द्र सरकार के इशारे पर जो संपत्तियां कुर्क की गईं वे किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि एक अखबार की हैं। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की कुर्की से डरने वाली नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अखबार की 780 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने की साजिश रची, जिसे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने शुरू किया था। महबूबनगर जिले के आलमपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अभियान के तहत एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह कुर्की तेलंगाना के लोगों को भाजपा और केसीआर का समर्थन करने के लिए उकसाने का भी एक प्रयास था। उन्होंने कहा कि जो संपत्ति जब्त की गई है, वह किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक अखबार की है, जिसे

पंडित नेहरू ने आजादी की लड़ाई की आवाज के रूप में तीन भाषाओं में शुरू किया था। उन्होंने इस अखबार के जरिए लोगों में जागरूकता पैदा की। यह लोगों की आवाज थी और पीएम मोदी और अमित शाह ने ऐसे अखबार के खिलाफ साजिश रची है। खड़गे ने कहा कि उन्हें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि वे कांग्रेस की संपत्ति जब्त कर उसे डरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है। हम लड़ना जारी रखेंगे और अंत तक लड़ेंगे। हम अंग्रेजों से नहीं डरे थे और हम भाजपा से कभी नहीं डर सकते, जिसने देश के लिए लड़ाई नहीं लड़ी और जिसकी देश की आजादी में कोई भूमिका नहीं थी। तेलंगाना के लोगों से 30 नवंबर के चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाने की अपील करते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस उन लोगों से लड़ रही है, जिन्होंने लोगों की जमीनें छीन ली हैं। उन्होंने कहा, आप तेलंगाना में जिस तरह का विकास चाहते थे, वह नहीं हुआ है, चाहे सड़कें हों, सिंचाई सुविधाएं हों या स्कूल हों। केसीआर अपने फार्म हाउस में बैठते हैं और फैसले लेते हैं। लोगों को ऐसे व्यक्ति को वोट नहीं देना चाहिए जो उनके बीच नहीं जाता हो। खड़गे ने कहा कि तेलंगाना में चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस यहां जीतकर पूरे देश में जीत दर्ज करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। कांग्रेस मजबूत होकर उभरेगी और पूरे देश को लाकतंत्र बचाने का संदेश देगी। कांग्रेस नेता ने केसीआर, भाजपा और एमआईएम को तीन दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि केसीआर नागपुर आरएसएस मुख्यालय जाते हैं और कहते हैं कि मोदी मेरे दोस्त हैं। ओवैसी अच्छे दोस्त के रूप में केसीआर की प्रशंसा करते रहते हैं। भाजपा ने दोनों के साथ मिलीभगत की है

मेरी और मेरे सियासी भविष्य की चिंता न करें मोदी

-सचिन पायलट ने किया पीएम मोदी पर पलटवार

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए उनके बयान को तथ्यों से परे बताया है। सचिन पायलट ने अपने पिता राजेश पायलट पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिये गए बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा है, कि प्रधानमंत्री का बयान तथ्यों से परे हैं और ऐसे बयान चुनाव में जनता का ध्यान भटकाने के लिए दिए जाते हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बुधवार को कहा था कि 'राजेश पायलट ने एक बार कांग्रेस परिवार को, कांग्रेस की भलाई के लिए चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश को तो सजा दी ही और अब उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं।' पीएम मोदी के इस बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, कि मेरे दिवंगत पिता ने 1998 में शरद पवार के साथ मिलकर सीताराम केसरी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था। उस वक्त श्रीमती सोनिया गांधी सक्रिय राजनीति में नहीं थीं। केसरी ने वह चुनाव जीता और बाद में पवार और मेरे पिता दोनों को कार्य समिति में नामांकित भी किया गया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संगठन और राजनीतिक दल को ऐसे ही काम करना चाहिए। इसके साथ ही सचिन पायलट ने अपने संबंध में कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, मुझे तो बहुत कम उम्र में ही संसद सदस्य बनने का मौका दिया गया। मैंने कई वर्षों तक केंद्र सरकार और राज्य स्तर पर अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। ऐसे में सचिन ने कहा कि किसी को भी उनकी और उनके राजनीतिक कैरियर की चिंता नहीं करनी चाहिए। मुझे अपनी पार्टी और उससे जुड़े लोगों की चिंता है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि वो भी मेरे भविष्य का अच्छे से ख्याल रखेंगे।

टोंक निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि उनके पिता इंदिरा गांधी से प्रेरणा लेकर कांग्रेस में शामिल हुए। उन्होंने जीवनपर्यंत तक जनता की सेवा की और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ वो लगातार लड़ते रहे। उन्होंने कहा कि दशकों से गांधी परिवार से हमारे संबंध है। कांग्रेस के साथ तो है ही और यह रिश्ता दिल का है, यह रिश्ता पुराना है और मुझे लगता है कि इसमें किसी और को बहुत ज्यादा बयान देने की आवश्यकता भी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा बैकफुट पर आ चुकी है, इसलिए इस तरह के ध्यान भटकाने वाले बयान दे रही है।

फिर विवादों में फंसे स्वामी प्रसाद मौर्य,अब रामायण,महाभारत के किरदारों पर उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर धार्मिक टिप्पणी कर विवाद पैदा कर दिया है। हिंदु धर्म ग्रंथों से खुन्नस खाकर राजनीति में खुद के पांव जमाने की कोशिश करने में लगे मौर्य ने कहा है कि बच्चों को सीता,द्रोपदी और शूर्पणखा जैसी महिलाओं की दुर्दशा का पढ़ाने से बेहतर है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को पढ़ाया जाए। बता दें कि मौर्य ने बयान जारी कर पाठ्यपुस्तकों में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को शामिल करने के संबंध में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 7 सदस्यीय समिति की सिफारिशों की निंदा की है। जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर स्वामी ने कहा, क्या एनसीईआरटी और सरकार पाठ्यक्रम में रामायण और महाभारत को शामिल करके सीता, शूर्पणखा और द्रौपदी जैसी महान महिलाओं की दुर्दशा को बढ़ावा देना चाहते हैं? जबकि सीता को अग्नि परीक्षा से गुज़रने के बाद भी पीड़ा झेलनी पड़ी, शूर्पणखा ने विवाह प्रस्ताव के बाद अपने नाक और कान कटवा लिए और द्रौपदी को निर्वस्त्र और अपमानित किया गया।

मायावती ने जताई उम्मीद, राज्य में सत्ता में आएगी बसपा

हैदराबाद (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उम्मीद जताई कि बसपा राज्य में सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि हमने किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया है। इस बार चुनाव परिणाम आश्चर्यजनक होंगे। उन्होंने लोगों से विभिन्न पार्टियों के झूठे वादों से गुमराह नहीं होने की अपील की। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दल वादे करते हैं, लेकिन निर्वाचित होने के बाद ज्यादातर उन्हें भूल जाते हैं और लोग अब ऐसे वादों पर विश्वास नहीं करते हैं। मायावती ने कहा कि बसपा अपना घोषणा पत्र इसलिए जारी नहीं करती क्योंकि वह सिर्फ बातों में नहीं, बल्कि काम करने में विश्वास रखती है। बसपा अकेले ही भाजपा और कांग्रेस दोनों से लड़ रही है। उन्होंने लोगों से किए गए

वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी बीआरएस की भी आलोचना की। सूर्यापेट में बसपा उम्मीदवार वट्टे जन्नय्या पर हमले की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि कानून लागू करने में विफल राज्य सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मायावती ने कहा कि देश में दलित, आदिवासी, अन्य कमजोर वर्ग, मुस्लिम, अन्य अल्पसंख्यक, मजदूर और किसान अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

'पनौती', 'जेबकतरे' पर फंसे राहुल गांधी, चुनाव आयोग ने जारी किया नोटिस, शनिवार तक मांगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली उनकी हालिया टिप्पणी के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। नोटिस विशेष रूप से गांधी द्वारा अपने भाषणों के दौरान 'पनौती' (अपशकुन), 'जेबकतरे' जैसे शब्दों के इस्तेमाल और ऋण माफी से संबंधित टिप्पणियों के लिए भेजा गया है। चुनाव आयोग ने गांधी को शनिवार शाम तक जवाब देने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई एक शिकायत के जवाब में आया है, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की गई थी। भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए 'अशोभनीय' थी।

इस बीच, पीएम मोदी पर निशाना साधने वाली अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी को चुनाव आयोग के

नोटिस के जवाब में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसी भी औपचारिक संचार को संबोधित करने के लिए पार्टी की तत्परता की पुष्टि की है। खड़गे ने कहा, 'हमारे पास आने वाले किसी भी नोटिस का हम सामना करेंगे,' यह पूर्व पार्टी अध्यक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों पर चुनाव आयोग की जांच में सहयोग करने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नोटिस में चुनाव आयोग ने गांधी को आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की याद दिलाते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से प्रतिबंधित किया गया है।

चुनाव आयोग का हस्तक्षेप राजनीतिक चर्चा में मर्यादा बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि नेता नैतिक मानकों का खासकर चुनाव प्रचार के दौरान पालन करें। चुनावी राज्य राजस्थान में हाल की रैलियों के दौरान राहुल गांधी द्वारा 'पनौती' और 'जेबकतरे' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे राज्य के राजनीतिक माहौल में विवाद बढ़ गया है। कारण बताओ नोटिस गांधी को चुनाव आयोग के समक्ष अपने बयानों के इरादे और संदर्भ को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करता है। शनिवार शाम तक आने वाली प्रतिक्रिया से इस बात पर प्रकाश पड़ने की उम्मीद है कि क्या गांधी की टिप्पणियां किसी विशिष्ट उद्देश्य से की गई थीं या वे एक बड़ी राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा थीं।

म्यांमार से लगी मणिपुर की 400 किमी सीमा पर लगातार हो रही कड़ी चौकसी

-सीएम बीरेन सिंह ने मीडिया से बातचीत में किया खुलासा, स्थिति पर रख रहे नजर

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह ने कहा कि म्यांमार में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर पड़ोसी देश के साथ राज्य की लगभग 400 किलोमीटर की सीमा पर सुरक्षा तगड़ी कर दी गई है। सीएम ने मीडियाकर्मियों से कहा, म्यांमार में मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमने सीमा पर बड़ी संख्या में अपनी सेना तैनात की है। न केवल असम राइफल्स बल्कि राज्य सुरक्षा बल, बीएसएफ, सीआरपीएफ को तैनात किया गया है। हम स्थिति पर सख्ती से और बारीकी से नजर रख रहे हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री की टिप्पणी चिन नेशनल ऑर्गनाइजेशन (सीएनओ) की सशस्त्र शाखा चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (सीएनडीएफ) द्वारा चिन राज्य में उनके शिविरों पर कब्जा करने के बाद 74 म्यांमार सैनिकों के भारतीय क्षेत्र में भाग जाने के बाद आई है। बता दें कि म्यांमार के सैनिकों को मिजोरम पुलिस ने चम्फाई जिले में पकड़ लिया और असम राइफल्स को सौंप दिया। भारतीय बलों ने सभी 74 सैनिकों को पड़ोसी देश तमू (मणिपुर में मोरेह सीमा के सामने) में म्यांमार सेना के अधिकारियों को सौंप दिया। सैनिकों के अलावा, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 1,400 म्यांमारियों ने पिछले हफ्ते मिजोरम के चम्फाई जिले में शरण ली थी।

सीएम ने राज्य में स्थिति सामान्य होने का दावा करते हुए कहा कि कुछ तत्व गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा विस्थापित लोगों के लिए पूर्वनिर्मित अस्थायी घरों को नष्ट करना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब हमने सुरक्षा प्रदान की है और पूर्वनिर्मित घरों का पुनर्निर्माण फिर से शुरू किया जाएगा। पिछले एक या दो महीनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। हम इन कृत्यों की निंदा करते हैं। हमें मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

बता दें कि सोमवार को मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक सुरक्षाकर्मी समेत दो लोगों की मौत हो गई। जनजातीय एकता समिति (सीओटीयू), सदर हिल्स द्वारा कांगपोकपी जिले में लगाया गया 48 घंटे का पूर्ण बंद बुधवार को समाप्त हो गया, जबकि इंफाल-दीमापुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) और इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) पर आर्थिक नाकेबंदी अभी भी जारी है। ये दो महत्वपूर्ण राजमार्ग मणिपुर की जीवन रेखाएं हैं।स्वयंसेवकों को विभिन्न

स्थानों पर पूर्ण बंद का पालन कराते हुए देखा गया। हालांकि, किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं है।.प्रदर्शनकारियों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'फ्यूचर रेडी 5 एफः विकसित भारत के लिए गुजरात का कपड़ा विजन' विषय पर सेमिनार आयोजित

कपड़ा और परिधान क्षेत्र के सेमिनार के दौरान 'बुनाई परंपरा और प्रौद्योगिकी' पर एक पैनल चर्चा की गई

चैम्बर द्वारा आयोजित सेमिनार में पैनलिस्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुरूवार को गुजरात सरकार द्वारा 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 की प्रस्तावना के रूप में कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए एक सेमिनार 23 अक्टूबर, 2023 को प्लैटिनम हॉल, सरसाणा में 'फ्यूचर रेडी ५एफ- विकसित भारत के लिए गुजरात का कपड़ा विजन' विषय पर आयोजित किया गया था। इस सेमिनार के दौरान दोपहर 1:30 बजे 'बुनाई परंपरा और प्रौद्योगिकी' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया और पूर्व अध्यक्ष आशीष गुजराती और नैसकॉम गांधीनगर के वरिष्ठ निदेशक और केंद्र प्रमुख अमित सलूजा, आरक्रोमा के प्रबंध निदेशक (भारत) और हिमसन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष (दक्षिण एशिया) अंजनी प्रसाद ने इस पैनल चर्चा में भाग लिया। निदेशक प्रतीक आर. बचकानीवाला ने बतौर पैनलिस्ट हिस्सा लिया। सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. चैत रेंडू ऑनलाइन पैनल चर्चा में शामिल हुए। इस चर्चा में एगरजी टेक्सटाइल ऑर्गेनाइजेशन के सीनियर कंसल्टेंट सूर्यदेव मुखर्जी ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई। पैनलिस्ट सह वक्ताओं ने बुनाई परंपरा और प्रौद्योगिकी पर अपने विचार रखे।

चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि कपड़ा उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के लिए नई और उन्नत तकनीक अपनानी चाहिए। प्रौद्योगिकी का रोजगार पर कई प्रभाव पड़ता है, लेकिन प्रत्येक नई तकनीक रोजगार के नए अवसर भी पैदा करती है। प्रत्येक तकनीक कई सुविधाएं प्रदान करती है और इससे उत्पाद दक्षता बढ़ती है।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष आशीष गुजराती ने कहा कि सूरत में कपड़ा उद्योग में हाई स्पीड बुनाई मशीनें लगाई गई हैं। अब इसके लिए हमें श्रमिकों के कौशल विकास पर ध्यान देना चाहिए। सरकार और हैंड होल्डिंग मशीन आपूर्तिकर्ताओं को इस दिशा में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने की जरूरत है.

अमित सलूजा ने कहा कि कपड़ा उद्योगपतियों को कपड़ा उत्पादन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए डिजिटल तकनीक को अपनाना चाहिए। कपड़ा इकाइयों में मध्य प्रबंधन और श्रमिकों के लिए डिजिटल साक्षरता आवश्यक है। डिजिटलीकरण के बारे में दिए गए प्रशिक्षण के बाद मध्य प्रबंधन और श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ती है और प्रौद्योगिकी के कारण मशीनों की उत्पाद दक्षता बढ़ती है। मशीन का डेटा बहुत महत्वपूर्ण साबित होता है।

अंजनी प्रसाद ने कहा कि टेक्सटाइल और गारमेंट इंडस्ट्री में फास्ट फैशन का चलन ज्यादा देखने को मिल रहा है। बदलते फैशन में हर कोई फैब्रिक में कंफर्ट चाहता है और इसके लिए टेक्नोलॉजी अहम भूमिका निभाती है। 3डी प्रिंटिंग भी परिधान उद्योग का भविष्य है। कपड़ा उद्योग को टेक्नोलॉजी अपडेशन और इनोवेशन पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रतीक बचकानीवाला ने कहा कि उद्योग में बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उन्नत तकनीक को भी अपनाना चाहिए। डॉ. चैत रेंडू ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए एक इको सिस्टम बनाने की जरूरत है। पैनलिस्टों के अनुसार, कुछ स्टार्ट-अप कपड़ा उद्योग की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए समाधान प्रदाता की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है।

सर्दी शुरूहोने के साथ ही विदेशी पक्षियों का आगमन

पर्यावरणविदों का गांठीया सहित फरसाण न देने का अनुरोध

तापी नदी के पुल पर नजर आने लगे विदेशी पक्षी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सर्दी की शुरुआत के साथ ही विदेशी पक्षियों का आगमन शुरू हो गया है, तापी नदी के किनारे समेत शहर के अन्य इलाकों में पक्षी प्रेमियों में खुशी फैल गई है। पक्षियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पर्यावरणविद् ने अनुरोध किया था कि इन पक्षियों को गांठीया, फरसाण नमकीन सहित भोजन न खिलाएं।

सर्दी की गुलाबी ठंड में सूरत के तापी नदी तट समेत विभिन्न इलाकों में विदेशी पक्षियों के आगमन से पक्षी प्रेमियों में खुशी का माहौल है। हालाँकि, जब ये पक्षी सर्दियों के मौसम में प्रजनन काल के लिए यहाँ आते हैं, तो उनका रंग पहले की तुलना में गहरा हो जाता है। पक्षियों के बारे में जानकारी रखने वाले एक विशेषज्ञ पर्यावरणविद् का मानना है कि सूरती इन पक्षियों को सेव गांठीया और अन्य सुरती भोजन देकर पुण्य कमाने की बात करते हैं। लेकिन इससे पक्षियों को नुकसान हो रहा है। हालाँकि, ऐसा भोजन पक्षियों को बड़ी मात्रा में आसानी से उपलब्ध होता है। साथ ही इन विदेशी पक्षियों के वापसी प्रवास में भी देरी हो रही है। यह भी एक बड़ा कारण है। यह निश्चित है कि ये विदेशी पक्षी अभी कुछ समय तक देखे जा सकेंगे क्योंकि तापी नदी के किनारे कुछ स्थान उनके लिए उत्कृष्ट आवास बन गए हैं।

'डायमंड सिटी' में बना कस्टम हाउस,हीरे सूरत में बनते थे और कारोबार मुंबई में,अब सब कुछ यहीं होगा

अब दुनिया के देश हीरे खरीदने के लिए मुंबई के बजाय सूरत आएंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत का हीरा उद्योग दुनिया भर में फैला हुआ है। केंद्र सरकार को मिलने वाली विदेशी मुद्रा में भी हीरा उद्योग का बड़ा योगदान है। हीरा उद्योग भारत से विदेशों में निर्यात करने वाला प्रमुख उद्योग है। सूरत का हीरा उद्योग भारत के निर्माण के सपने को साकार करने में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है। आज, जब सूरत शहर के भीतर डायमंड बुर्स शुरू हुआ है, तो सूरत शहर का हीरा उद्योग वैश्विक मंच पर चमक गया है।

आमतौर पर दुनिया के किसी भी उद्योग में एक तरह की परंपरा होती है कि जहां भी विनिर्माण होता है, वहीं से सीधा व्यापार भी किया जाता है। विश्व में कोई भी ऐसा बड़ा उद्योग नहीं है जिसका निर्माण एक स्थान से होता हो और व्यापार दूसरे स्थान से होता हो। अगर इंडस्ट्री इस तरह से चल रही है तो इसका सीधा असर इंडस्ट्री की रफ्तार पर पड़ता है। हीरा उद्योग एक असाधारण उद्योग है जिसका विनिर्माण सूरत में होता है और व्यापार मुंबई से होता है। जिसके चलते पिछले चार दशकों के सफर पर नजर डालें तो सूरत के मुकाबले मुंबई का विकास काफी तेजी से हुआ है।

अब तक, मुंबई हीरे के व्यापार का केंद्र होने के कारण वहां भारी मात्रा में राजस्व उत्पन्न होता था। जिसका सीधा नुकसान गुजरात और सूरत के हीरा उद्योग को हो रहा था। हालाँकि, अब हीरा उद्योग से जुड़े प्रमुख व्यवसायियों ने अपना दृष्टिकोण बदल दिया है और एक ऐसी प्रणाली स्थापित की गई है जहाँ विनिर्माण होता है वहीं से व्यापार होता है। डायमंड बुर्स के बनने के बाद अब ट्रेडिंग के लिए जो सपना देखा गया था, वह भी खत्म होने जा रहा है।

चूँकि हीरे की कटाई, पॉलिशिंग का काम सूरत शहर के भीतर ही किया जाता था, लेकिन व्यापार केवल मुंबई से किया जाता था। इसके लिए कई कारण जिम्मेदार थे, लेकिन कस्टम क्लीयरेंस को मुख्य कारण माना गया। इस संबंध में बार-बार अवगत कराने के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया गया। परिणामस्वरूप, सीमा शुल्क निकासी की कमी के कारण, हीरा उद्योग से जुड़े अधिकांश व्यापारियों ने मुंबई से व्यापार करना उचित समझा। क्योंकि, सूरत में कस्टम क्लियरिंग सिस्टम ठीक न होने के कारण इंडस्ट्री के लिए कई बाधाएं पैदा हो रही थीं। हीरा उद्योग में जो भी अड़चनें थीं, वे अब दूर हो रही हैं। धीरे-धीरे सूरत शहर में हीरा उद्योग की स्थिति पहले से बेहतर होती जा रही है। हीरा उद्योग के नेता न केवल विनिर्माण, बल्कि व्यापार में भी जो भी बाधाएँ थीं, उन्हें हल करने के लिए केंद्र सरकार के साथ काम करने में भी सफल रहे हैं।

व्यापार सीमा शुल्क निकासी के साथ होगा: दिनेश नावडिया इस बारे में डायमंड बुर्स कमेटी के सदस्य दिनेश नावडिया ने कहा कि डायमंड बुर्स के निर्माण के बाद अब सूरत के हीरा उद्योग के लिए दुनिया से जुड़ने का सबसे बड़ा अवसर उपलब्ध हो गया है। ऐसा बिजनेस हब दुनिया में किसी और जगह नहीं बनाया गया है। दुनिया के हीरा उद्योग और देश की सबसे बड़ी हीरा खदान से जुड़े कारोबारियों की नजर अब सीधे सूरत पर है। कच्चे हीरे के आने के बाद कई चुनौतियाँ सामने आईं। सीमा शुल्क निकासी के लिए बार-बार आवेदन किया गया लेकिन अनसुलझे मुद्दों के कारण व्यापार नहीं हो सका।

सूरत में सीमा शुल्क निकासी की भी व्यवस्था की गई है। यहां कस्टम हाउस बनने से आयात-निर्यात बहुत आसान हो जाएगा। गुजरात सरकार को भी बड़ा फायदा होने वाला है, जो भी कंपनी यहां से आयात-निर्यात करेगी उसकी फाइल भी यहीं तैयार होगी। कस्टम हाउस से गुजरात सरकार को भारी राजस्व मिलने वाला है।

विनिर्माण स्त्रोत से सीधे व्यापार करना हुआ आसान: मनीष जिवानी इस मामले में कारोबारी मनीष जिवानी ने कहा कि हम सालों से मुंबई में हीरे का कारोबार कर रहे हैं। अब डायमंड बुर्स की स्थापना के साथ हम मुंबई से सूरत स्थानांतरित हो गए हैं। हम अपना स्टाफ भी यहीं शिफ्ट करेंगे।' सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूरत मुंबई की तुलना में आवश्यक वस्तुओं पर ५० से ७० प्रतिशत तक कम खर्च होता है।

लाइफस्टाइल के मामले में सूरत मुंबई से काफी सस्ता: रमेश भालानी मुंबई के एक व्यवसायी रमेश भालानी ने कहा कि सूरत का हीरा उद्योग उस दुनिया में एक असाधारण उद्योग था जहां विनिर्माण सूरत में किया जाता था और व्यापार मुंबई से किया जाता था। ऐसी स्थिति दुनिया के किसी भी उद्योग में देखने को नहीं मिलती। डायमंड बुर्स के दुनिया का सबसे बड़ा ऑफिस हब बनने के साथ, हमें उम्मीद है कि यहां से दुनिया भर में व्यापार करना बहुत आसान हो जाएगा। सूरत मुंबई से कम महंगा है। हमारी कंपनी के स्टाफ मेंबर्स भी सूरत में ही शिफ्ट हो जाएंगे।' सूरत में लागत मुंबई की तुलना में बहुत कम होगी। इससे हमें बहुत फायदा होगा। साथ ही सूरत में मैन्युफैक्चरिंग होने से व्यापार में आसानी होगी और सूरत शहर दुनिया से सीधे जुड़ जाएगा।

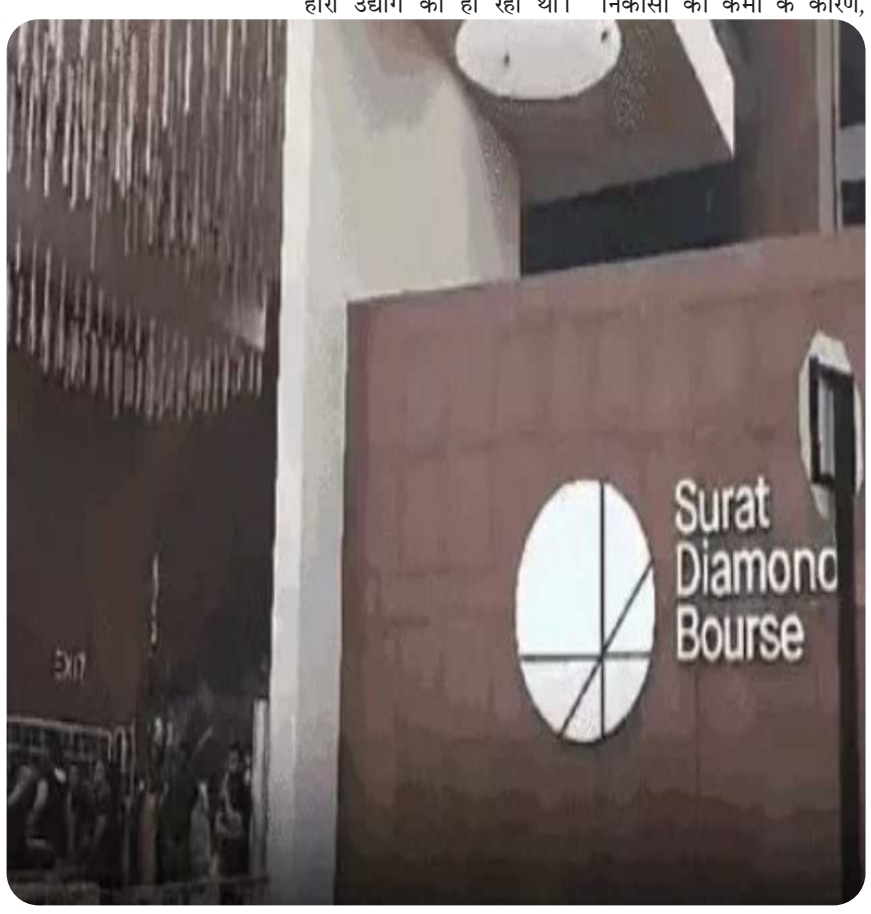

ब्रेनडेड गृहिणी के अंगदान से तीन घरों में रोशनी हुई

ब्रेनडेड महिला को श्रध्दांजली देते परिवार के सदस्य

जीवनदीप अंगदान फाउंडेशन द्वारा 9 वां अंगदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरोली क्षेत्र की निवासी और मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली ५४ वर्षीय गृहिणी जयाबेन वाघ ब्रेनडेड घोषित होने पर परिवार के सदस्यों ने अंगदान का निर्णय लिया जिससे तीन जिंदगियों में नई रोशनी आयी है। वाघ परिवार द्वारा लिया गया अंगदान का यह निर्णय समाज के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है।

जीवनदीप ऑर्गन डोनेशन फाउंडेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमरोली के श्रीराम नगर सोसायटी निवासी और मूल रूप से धुलिया के देउड गांव की रहने वाली जयाबेन नानाभाई वाघ (उम्र-५४) २१-११-२०२३ को सुबह ११ बजे जहांगीरपुरा आश्रम से बेटा योगेश के साथ जब अमरोली घर जा रहे थे तो अचानक सड़क पर एक बम्पर आया और पीछे बैठी जयाबेन उछलकर सड़क पर गिर गई और वहीं बेहोश हो गये। जिन्हें १०८ एंबुलेंस के माध्यम से किरण अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर द्वारा न्यूरोसर्जरी की गई, लेकिन मरीज में कोई सुधार नहीं होता देख डॉक्टर भूमिक ठाकोर, डॉ. हिना फल्दू, डॉ. दर्शन त्रिवेदी, डॉ. मेहुल पांचाल ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

ब्रेन डेड घोषित होने से निराश परिवार के सदस्यों ने हरीश पजारे और दीक्षित त्रिवेदी से संपर्क किया। उन्होने अंगदान चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक दिलीपदादा देशमुख के माध्यम से जीवनदीप अंगदान फाउंडेशन के पी एम गोंडलिया और विपुल तडाविया का संपर्क किया।

चिकित्सकों की टीम और सूरत निवासी परिवार के सदस्यों को आमने-सामने बैठकर अंगदान का महत्व समझाया, सभी के साझा प्रयासों से परिवार के सदस्यों ने अंगदान के लिए सहमति जताई और किरण अस्पताल में लीवर और दो किडनी स्वीकार कर ली गईं। जिन्हें इस अस्पताल में इलाज करा रहे महाराष्ट्र के २८ वर्षीय व्यक्ति भरूच की ५४ वर्षीय महिला और सूरत की ४९ वर्षीय महिला में प्रत्यारोपित किया गया।

विशेष रूप से, विपुल तलाविया ने कहा कि जयाबेन का बेटा योगेश किरण जेम्स में लेजर ऑपरेटर के रूप में काम करता है और छोटा बेटा विनोद भी किरण जेम्स में इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम करता है। परिवार के सदस्य आध्यात्मिक हैं, इसलिए उन्हें अंगदान का महत्व समझ में आया, उन्होंने अंग दान करने का निर्णय लेने की ठानी।

अमूल द्वारा आयोजित क्लीन फ्यूल बायो सीएनजी कार रैली का स्वागत

गाय के गोबर से जैविक खाद और बायो ईंधन सीएनजी बनाई जाएगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में अमूल क्लीन फ्यूल बायो सीएनजी कार रैली का भव्य स्वागत किया गया। सुमुल डेयरी के चेयरमैन मानसिंह पटेल ने महाराष्ट्र के पुणे से शुरू हुई कार रैली का सूरत शहर में आगमन होने पर स्वागत किया। यह कार रैली नर्मदा से होते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचेगी। फिर 26 नवंबर को 1400 किमी की दूरी तय कर आनंद में समाप्त होगी। गाय के गोबर से जैविक खाद और बायोफ्यूल सीएनजी बनाई जाएगी। यह नया प्रयोग किसानों को आत्मनिर्भर बनाएगा। देश में जैविक खेती को बढ़ाने के लिए तरह-तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। खास तौर पर देशभर में गौ आधारित कृषि को लेकर जागरूकता फैलाई जा रही है। इसके लिए अमूल डेयरी की ओर से 1400 किलोमीटर की क्लीन फ्यूल बायो सीएनजी कार रैली का आयोजन किया गया है।